Advocacy, policy and support on male sexualities

Naz Foundation International

विकास हस्त-पुस्तिका

पुरूषों के साथ सेक्स करने वाले पुरूषों एवं उनके पारिवारिक सदस्यों के एच०आई०वी०/एड्स यौनिक स्वास्थ्य एवं कल्याण और मानवाधिकार के मुद्दों पर आधारित सामुदायिक संगठनों का विकास

पुस्तिका चार

द्वितीय चरणः MSM यौनिक स्वास्थ्य परियोजना का क्रियान्वयन

सर्मपण

प्रस्तुत सीरीज समर्पित है उन कोथियों और उनके जोड़ीदारों के नाम जो तन्हाई में, तिमारदारी के अभाव में, एड्स से जूझते हुये मौत के मुँह में चले गये।

शुक्रिया

हम उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करते हैं जिन्होंने सामाजिक अध्ययन एवं अपेक्षाओं के आंकलन में हिस्सा लिया; यौनिक स्वास्थ्य प्रॉजेक्ट्स, साक्षात्कारों, कार्यशालाओं तथा बैठकों में पूरे धैर्य, ईमानदारी, खुलेपन एवं दोस्ताना माहौल में शिरकत की; और, उन लोगों का जिन्होंने पार्कों, चायखानों, नुक्कड़ों, रेस्तरां तथा होटल की लॉबीज़ में पूरे भरोसे और इतमीनान से अपनी आप-बीती कही। हम उन लोगों का भी शुक्रिया अदा करना चाहते हैं जिन्होंने व्यैक्तिक या संस्थागत रूप से यह चुनौती स्वीकार की और, पुरूषों के साथ सेक्स करने वाले पुरूषों, जिनके लिए प्रस्तुत मैनुअल तैयार किया गया, को संम्बोधित करते हुये उपयुक्त सेवाओं का सम्पादन किया। उनके सहयोग के बगैर इस संसाधन का अस्तित्व संभव नहीं हो सकता था।

UNAIDS ने इस संसाधन को बेहतर बनाने, इसे 'यूज़र फ्रेंडली' बनाने में हमें जो प्रोत्साहन एवं सहयोग दिया, उसके लिए हम उनका भी शुक्रिया अदा करना चाहते हैं।

प्रकाशन

नाज़ फाउन्डेशन इन्टरनेशनल् 2005 द्वारा प्रकाशित

© 2005 प्रस्तुत पुस्तिका और, सीरीज़ की अन्य पुस्तिकायें, www.nfi.net से हासिल की जा सकती हैं। सीरीज के अन्य भाषाई संस्करण शीघ्र ही उपलब्ध हो जायेंगे। अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट से गुजरते रहिये।

नाज़ फाउन्डेशन इन्टरनेशनल्

मुख्य ऑफिस
पेलिग्सविक हाउस
241 किंग स्ट्रीट
लन्दन डब्ल्यू 69 एल०पी०, यू०के०
टेलः +44 (0) 2085630191
फैक्सः +44(0) 2087419841
ई-मेलः london@nfi.net

दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय कार्यालय
9, गुलजार कॉलोनी, न्यू बेरी लेन
लखनऊ 216001 भारत
टेलः +91 (0) 522 2205781/2
फैक्सः +91(0) 522 2205783
ई-मेलः lucknow@nfi.net

विषय वस्तु

पृष्ठः

1 यह पुस्तक और श्रृंखला
3 MSM के लिए यौन स्वास्थ्य मध्यस्थता परियोजना विकसित करने की NFI की प्रक्रिया
5 MSM के लिए यौन स्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करना
9 MSM हेतु यौन स्वास्थ्य प्रसार सेवा का क्रियान्वयन व प्रबन्धन
13 कार्यशाला-2
15 परियोजना विकास परिभाषा
19 कार्यशाला का ऐजेंडा
21 समय-सारणी की रूप-रेखा
27 पहला दिनः फ्रेमवर्क का विकास
35 दूसरा दिनः परियोजना विकास-1
45 तीसरा दिनः परियोजना विकास-2
57 चौथा दिनः परियोजना विकास-1
67 पाँचवां दिनः परियोजना प्रबन्धन 2
83 आगे की कार्यवाही
84 परिवर्णी शब्द
85 आभार

पुस्तिका तथा श्रृंखला का परिचय

यह हस्त-पुस्तिकाओं की श्रृंखला में चौथी पुस्तिका है जो पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों को प्रभावित करने वाले बिन्दुओं के निराकरण हेतु समुदाय-आधारित संगठनों को विकसित करने के लिये क्रमबद्ध प्रक्रिया एवं सैद्धान्तिक ढाँचा प्रस्तुत करती है। यह श्रृंखला पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों को प्रभावित करने वाले बिन्दुओं के निराकरण हेतु दक्षिण एशिया में नाज़ फाउन्डेशन इन्टरनेशनल् द्वारा किये गये वृहद सामुदायिक विकास कार्यों का परिणाम है। इस श्रृंखला में वर्णित मॉडल का प्रयोग सन् 1996 से पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों से सम्बन्धी तीस से अधिक परियोजनाओं को विकसित करने में हुए हैं। हमें आशा है कि नये प्रारूप में यह कई अन्य परियोजनायें विकसित करने में सहायक होगी, ताकि पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों को उचित यौन स्वास्थ्य, एच०आई०वी०/एड्स रोकथाम, सुरक्षा और कल्याणकारी सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित हो सके।

पुस्तिका एक ने हमें नाज़ फाउन्डेशन इन्टरनेशनल् के बारे में आरम्भिक परिचय तथा श्रृंखला में उपयोग होने वाले शब्दकोष के साथ दक्षिण एशिया में यौन स्वभाव तथा यौन स्वास्थ्य पर किताबी ढाँचा दिया।

पुस्तिका दो ने दक्षिण एशिया में सामाजिक, सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य जिसमें कि पुरूषों के साथ सेक्स करने वाले पुरूषों के यौन सम्बन्ध स्थापित होते हैं तथा आवश्यक विकास प्रक्रिया ताकि MSM में खतरे वाली जनसंख्या की पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं तथा HIV/AIDS सुविधाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने के बारे में बताती है।

NFI को दृढ़ विश्वास है कि स्वास्थ्य सम्बन्धी स्वभावों को सुधारने हेतु दोनों स्त्री और पुरुष साथियों में STI/HIV संक्रमण के खतरे को कम करने के लिये सबसे प्रभावी रणनीति स्वयं-सहायता तथा समुदाय आधारित प्रबन्धन है। इसका मतलब हुआ कि MSM नेटवर्क को सशक्त करना कि वे समकक्ष व्यक्ति की मध्यस्थता से अपनी यौन स्वास्थ्य सुविधाओं को विकसित कर सकें।

गैर-MSM गैर-सरकारी संगठन तथा सरकारी संस्थाओं का MSM में यौन स्वास्थ्य मध्यस्थता की जरूरत शुरूआत में पड़ सकती है, चूँकि कोई भी MSM स्वयं सहायता संस्था विद्यमान नहीं है, पर NFI को दृढ़ विश्वास है कि ऐसी एक संस्था मध्यस्थता रणनीति के तहत विकसित करनी आवश्यक है जो कि मध्यस्थता के प्रबन्धन तथा सुविधा प्रदान करने का कार्य करेगी। इस तरह की पद्धति MSM हेतु खतरा कम करने को निरन्तर/स्थिर बनाने में समर्थ व्यवस्था तथा सशक्तिकरण के ढाँचे में जरूरतमंद भाग प्रदान करता है।

साथ ही NFI की रणनीति में बुना हुआ मुख्य लक्ष्य तथ्य पर यह दृढ़ विश्वास है कि यौन स्वास्थ्य केवल बिमारी की रोकथाम नहीं है अपितु मंगलमय भावना को बढ़ावा देना है।

इसका मतलब हुआ कि सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, मनोवैज्ञानिक, शारीरिक तथा व्यक्तिगत ढाँचे को समझना जिसमें यौन आचरण होते हैं। इसका मतलब हुआ कि पुरूषत्व तथा यौन स्वभाव के तथ्यों को तथा श्रेणी, गरीबी, एवं शिक्षा के अलग-अलग ढाँचे की खोज करना।

पुस्तिका तीन ने किसी विशिष्ट शहर या कस्बे में समकक्ष व्यक्तियों द्वारा मध्यस्थता पर प्रथम चरण पर खोज की। यह चिन्हित करना आवश्यक है कि मुख्यतः MSM समुदाय की तरह कोई भी चीज नहीं है, परन्तु अलग-अलग यौन स्वभाव तथा पहचानों की स्वायत्त नेटवर्क की एक श्रृंखला है तथा दक्षिण एशिया में प्राथमिक ढाँचा लिंगात्मक भूमिका, आचरण तथा कार्यों पर निर्भर होता दिखाई देता है। इसलिये कोई भी मध्यस्थता विकसित करने से पहले, पहले से विद्यमान नेटवर्क को ढूँढ़ना तथा यौन आचरण क्या होते हैं। यौन स्वास्थ्य चिंतायें, ज्ञान का स्तर, एवं अलग-अलग नेटवर्क में ढंग तथा स्वभाव एवं पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूष प्रतिभागियों को जानना आवश्यक है। दूसरे शब्दों में MSM में सामाजिक तथा खतरे का आंकलन करना जरूरी है।

श्रृंखला

हस्तपुस्तिकाओं की यह श्रृंखला पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के साथ काम करते हुए समुदाय-आधारित पुरूष यौन स्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करने हेतु व्यापक गाइड एवं टूलकिट उपलब्ध कराती है। यह पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के लिए विशेष रूप से तैयार की गई है। जिसमें निम्न-आय नेटवर्क के सर्वाधिक चिन्हित पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इसके तहत महिलाओं की तरह व्यवहार करने वाले पुरूष जैसे कोथी आते हैं। यह स्वयं-सहायता और समकक्ष शिक्षा की नीतियों पर आधारित है, जिसमें प्रशिक्षित पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के द्वारा अन्य लोगों की स्वयं की सेवायें विकसित करने हेतु क्षमता में वृद्धि की जाती है।

एक बार प्रशिक्षित हो जायें और उचित सेवा विकसित हो जाय तो यह विशेष व्यक्ति न केवल अपने जैसे अन्यों तक पहुँच के लिए प्रयोग में आते हैं अपितु पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के यौन व्यवहार में अपने साथियों और अन्य क्रियाशील तक पहुँचने के लिए भी, जिससे व्यापक पुरूष यौन स्वास्थ्य कार्यक्रम गठित किया जा सके।

इस सेट में छः पुस्तकें हैं।

पुस्तिका एक ः परिचय
पुस्तिका दो ः परिप्रेक्ष्य का निर्धारण
पुस्तिका तीन ः प्रथम चरणः सामाजिक एवं आवश्यकताओं का आंकलन
पुस्तिका चार ः द्वितीय चरणः MSM यौनिक स्वास्थ्य परियोजना का क्रियान्वयन
पुस्तिका पाँच ः प्रबन्धन के साधन
पुस्तिका छः ः अन्य संसाधन

कार्यशालाऐं विस्तृत हैं एवं इस जनसमूह के साथ NFI द्वारा संचालित कार्यशालाओं से उभरी समय-सारणी एवं ऐजेंडा के अनुसार होती है। यह मान्य है कि अधिकांश के लिए एच०आई०वी०/एड्स का लगभग कोई अनुभव नहीं है, न ही समुदाय-आधारित कार्यशैली का और न ही उस परिप्रेक्ष्य की समझ जिसमें यौन स्वास्थ्य प्रसार होता है। किन्तु यह समय-सारणी और ऐजेंडा पत्थर की लकीर नहीं हैं, और आवश्यकतानुसार संशोधित किया जा सकता है।

एन०एफ०आई० ने अपने स्वयं के प्रशिक्षण-प्राप्त प्रशिक्षकों द्वारा ऐसे MSM यौन स्वास्थ्य क्रियाओं को विकसित करने में प्रयोग किया है। अतः यह संस्तुत है कि जो भी इस संसाधन का प्रयोग करने की इच्छा रखते हैं, उन्हें प्रारम्भ करने से पूर्व किताबी परिवेश, भाषा को अच्छी तरह ग्रहण कर लेना चाहिए तथा एम०एस०एम० व्यवहार, पहचान, यौन और पौरूषार्थ के फ्रेमवर्क को गहनता से समझ लेना चाहिए।

MSM यौनिक स्वास्थ्य प्रॉजेक्ट के विकास हेतु NFI की प्रक्रिया

- एक स्थानीय फोकस व्यक्ति (LFP)/प्रॉजेक्ट प्रबन्धक (PM) का चयन और उसकी नियुक्ति
- LFP द्वारा स्थानीय MSM नेटवर्कों से प्रशिक्षण एवं आंकलन कार्यक्रम के लिए सम्भावित प्रतिभागियों का चयन एवं भरती
- कार्यशाला सामग्री का प्रबंधन; संदर्भित दस्तावेजों का अनुवाद
- कार्यशाला-स्थल का निर्धारण एवं सम्बन्धित व्यवस्थाओं का संयोजन
- प्राथमिक सामाजीकरण-एक बैठक का आयोजन
- सात दिवसीय आंकलन कार्यशाला का निष्पादन
- कार्यशाला प्रतिभागियों में से 10-15 सदस्यीय आंकलन टोली का चयन और नियुक्ति
- एक सुगम 'मिलन केन्द्र' की स्थापना एवं संचालन; आंकलन कार्यों के संपादन तथा सामाजीकरण एवं नेटवर्किंग से सम्बन्धित बैठकों के लिए एक उपयुक्त स्थान का बन्दोबस्त
- आंकलन प्रक्रिया का संचालन
- बुनियादी नेटवर्किंग तथा व्यापक सम्पर्क की शुरूआत
- आंकलन-आंकड़ों का विश्लेषण
- प्रतिवेदन का सम्पादन; प्रसार बैठक का आयोजन
- सरकारी संस्थानों और स्वयं सेवी संगठनों के बीच पैरोकारी
- आंकलन दल से दूसरी कार्यशाला के प्रतिभागियों का चयन
- दूसरी कार्यशाला का संचालन
- पंजीकृत संस्था के तौर पर समूह का विकास
- दूसरी कार्यशाला के सम्भावित प्रतिभागियों का चयन
- प्रॉजेक्ट प्रस्ताव का विकास एवं प्रस्तुति
- प्रॉजेक्ट फंड़िग की सुनिश्चितता
- प्रॉजेक्ट का क्रियान्वयन
- NFI द्वारा दिये जा रहे तकनीकी सहयोग एवं समर्थन की निरन्तरता

MSM यौन स्वास्थ्य कार्यक्रम विकसित करना

प्रक्रिया

एच०आई०वी०/एड्स से विश्व भर के सभी देश एवं सभी समुदाय आशंकित हैं। जबकि अफ्रीका देश में एड्स से मरने वालों की संख्या काफी तेजी से बढ़ रही है; दक्षिण एशिया (तथा एशिया के दूसरे भागों में) यह अनियंत्रित महामारी का रूप धारण करने की कगार पर है। यह स्पष्ट है कि सरकारी, गैर-सरकारी एवं सामुदायिक संगठन तथा अन्य संस्थाओं को साथ मिलकर इस चुनौती का सामना करना होगा। यही एक तरीका है जिससे एच०आई०वी० के प्रेषण को नियंत्रित और अनुशासित किया जा सके ताकि बिमारी फैलने से रोकी जा सके और एड्स का खात्मा हो।

यह भी स्पष्ट है कि सबसे ज्यादा उम्मीद दक्षिण एशियाई देशों में प्रभावी तौर पर एच०आई०वी० तथा यौन प्रेषित संक्रमण के ऐसे सभी खतरनाक आचरणों एवं क्रियाकलापों के खात्मे से ही है। कोई भी देश अपनी सीमाओं के भीतर होने वाली गतिविधियों को अनदेखा या अस्वीकार नहीं कर सकता, चाहे वह किसी प्रकार का यौन आचरण हो या कलंकित पहचान हो जो कि अनैतिक, अवैध या फिर अनुमानित तौर पर देश की संस्कृति के खिलाफ मानी जाती हो। इस प्रकार की अस्वीकार्यता तथा लाँछना देश भर में एड्स के फैलाव को आगे बढ़ाने की आदर्श परिस्थिति बना देता है।

पुरूषों के साथ यौन आचरण करने वाले पुरूषों की स्थिति एवं आचरण चिंता का विषय है कि क्योंकि इसे दक्षिण एशिया क्षेत्र में अस्वीकार एवं अदृश्य करार कर दिया गया है फिर भी पुष्ट आधार वाले प्रमाण विद्यमान हैं जिससे पता चलता है कि इस तरह के आचरण बड़ी मात्रा में प्रचलित है तथा यदि इसका प्रख्यात्कार किया जाय तो इसका बढ़ी मात्रा में प्रभाव सभी प्रजनन तथा यौन स्वास्थ्य कार्यक्रमों पर पड़ेगा।

नाज़ फाउन्डेशन इन्टरनेशनल् जो कि दक्षिण एशिया के विभिन्न देशों में नेटवर्क और पुरूषों के समूहों के साथ कार्य कर रही है, ने ऐसी क्रिया बनाई है कि ऐसे पुरूष एच०आई०वी०/एड्स की रोकथाम के लिए अपनी स्वयं-सेवा ऐजेंसी बना पाए। एक क्रिया जो समुदाय निर्माण करे तथा पुरूषों के साथ यौन आचरण करने वाले पुरूषों को अपनी यौन स्वास्थ्य सेवाओं को स्वय प्रदान करने तथा उन्हें चलाने हेतु सशक्त करे, गतिशील करे या अधिकृत करें।

यह समान्तर तकनीक यह सुनिश्चित करने का एक तरीका है कि पुरूषों की पुरूषों के संग यौन आचरण की सत्यता को किसी भी यौन स्वास्थ्य कार्यक्रम को बढ़ावा देने में स्वीकारा जाय। NFI दो रणनीति को बढ़ावा देती है:

1. पुरूषों के साथ यौन आचरण करने वाले पुरूषों का इसी ढाँचे में रहने वाले दूसरे पुरूषों के संग समुदाय निर्माण एवं ऐसे ही पुरूषों का स्वामित्व बनाना। इसमें ऐसी क्रिया अपनायी जाय जो कि पुरूषों के साथ यौन आचरण करने वाले पुरूषों का पहले से विद्यमान समुदाय नेटवर्क का उपयोग करे तथा अपनी पहचान, यौन-पहचान तथा आचरण के माध्यम को आपस में बाँटते हुए अपनी पहचान बनायें। यह आदमियों के लिये भी लागू होगा।

2. सभी प्रजनन तथा यौन स्वास्थ्य कार्यक्रमों को बढ़ावा देना, यौन जनित रोगों के चिकित्सा केन्द्रों तथा एच०आई०वी०/एड्स से बचाव के कार्यक्रम, गुदा सम्बन्धी आचरण (पुरूष एवं पुरूष के बीच या पुरूष एवं स्त्री के बीच) के मुद्दों को उनकी शिक्षा, चिकित्सा एवं उपलब्ध सेवाओं में सम्मिलित करना। इससे पुरूष आम जनता में उन पुरूषों तक पहुँच सकते हैं जो कि पुरूषों के साथ यौन आचरण चाहते हैं तथा इनमें कोथी के पुरूष पार्टनर, जिनकी कोई यौन पहचान नहीं है, वे भी सम्मिलित हैं।

यह पुस्तिका पहली रणनीति से सम्बन्धित है जिसमें हम कोथियों के साथ काम करते हुए, समुदाय निर्माण रणनीति अपनाते हुए यौन रोग/एच०आई०वी० तथा एड्स से बचाव तथा उसकी चिकित्सा पर काम करते हैं। यह वर्धन क्रिया दक्षिण एशिया में कई समुदायिक कोथी को यौन स्वास्थ्य परियोजना में कई सालों तक तकनीकी सहायता देने के उपरान्त बनी है।

द्वितीय चरणः MSM यौनिक स्वास्थ्य परियोजना का क्रियान्वयन

रणनीति का लक्ष्य

दक्षिण एशिया में पुरूष जो पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखते हैं उनके तथा उनके साथियों के बीच यौन संक्रमण/एच०आई०वी० संक्रमण के खतरे को कम करना तथा उचित यौन संक्रमण/एच०आई०वी० तथा एड्स सेवाओं तथा सहयोग सेवाओं तक उनकी पहुँच सुनिश्चित करना।

इस रणनीति का उद्देश्य

पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों को अपनी स्वयंसेवी संस्था द्वारा अपने यौन स्वास्थ्य को विकसित करने के प्रति सशक्त करना।

विश्वास

नाज़ फाउन्डेशन इन्टरनेशनल् यह मानता है कि पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों में सुरक्षित यौन आचरण को मानक बनाने हेतु सुरक्षित यौन क्रियाओं को बढ़ावा देना तथा इस सुरक्षित यौन आचरण को लम्बे समय तक बरकरार रखना जरूरी है। यह लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षित यौन आचरण समुदायिक मानक तौर पर अपनाया जाए जिसके लिए पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के विस्तृत समुदाय को इस आचरण को आगे बढ़ाने तथा अपनाने में जोड़ना होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के समुदाय को स्पष्ट रूप से चिन्हित करने तथा उस तक पहुँच बनाना (जो कि ज्यादातर देखने को नहीं मिलता है) जरूरी है। फिर भी कई स्थानों पर यौन तथा सामाजिक नेटवर्क विद्यमान है तथा इसका इस्तेमाल उभरते हुए समुदायों का निर्माण करने में केन्द्रीय अंश के तौर पर करना चाहिए। इस तरह के समुदाय को स्थान, व्यवसाय, जाति या धर्म पर आधारित करने के बजाय उसका निर्माण कोथी लिंग पहचान के अनुसार करना चाहिए।

समुदाय निर्माण

किस तरह के समुदाय की आवश्यकता है? किस आधार पर यह कल्पित समुदाय उभरेगा? क्या इस तरह का समुदाय विकसित होगा? इस तरह के समुदाय के लोग आपस में क्या बाँटते हैं?

दक्षिण एशिया के पुरूषों का पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध की परिस्थिति में, जिस पर पहले भी ध्यान आकर्षित किया गया है, पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के लिए यौन स्वास्थ्य परियोजनाऐं समुदाय को विकसित करने के लिए सिर्फ स्वयं चिन्हित कोथी तथा पुरूषों के साथ सेक्स करने वाले पुरूषों जैसे उभरते हुए समूहों के साथ ही कार्य कर सकती है। यह पुस्तिका कोथी के मुद्दों को उठाती है वैसे कोथी, केन्द्रित तौर पर, समुदाय नहीं बनाती है।

दक्षिण एशिया में ज्यादातर कोथी एक छोटे सामाजिक या व्यक्तिगत दोस्तों के नेटवर्क के दायरे तक सीमित है जिसका आधार स्थान एवं यौन गतिविधियों के स्थान तक सीमित है। नेटवर्क का विस्तारण कर सकते हैं। जिसमें एक नेटवर्क के सदस्य दूसरे नेटवर्क के सदस्य भी हो सकते हैं।

कोथी को स्त्रियों की तरह आचरण करने वाले एवं सूक्ष्मबुद्धि पुरूष कह कलंकित करते हैं। उन्हें न तो स्त्री माना जाता है ना ही पुरूष। कई मायनों में कोथी का लिंग ना तो स्त्रियों और ना ही पुरूषों में माना जाता है। इन लक्षणों के कारण कोथियों को एक अलग 'लिंग' का रूप दिया जाता है और इन्हीं समान लक्षणों जैसे कि इच्छा, स्वभाव तथा यौन आचरण से ही वह एक-दूसरे से एक पहचान बनाते हैं। फिर भी एक बात गौर करने की है कि कई कोथी में यह लिंगीकरण एवं क्रिया स्थान आधारित है और यह दूसरी परिस्थितियों एवं दूसरे स्थानों पर लागू नहीं होती है। जैसे कि घर में, अपनी पत्नी के साथ या फिर कार्य में इत्यादि।

चूँकि दक्षिण पूर्वी एशिया में प्रारम्भिक सामुदायिक दायरा तथा सामाजिक पहचान, अपने परिवार (जैसे कि संयुक्त परिवार तथा मिलते-जुलते परिवार) ग्राम मूल जैसे कि गाँवों के अनुभवों को बाँटना, स्थान (जहाँ रहते हैं), कार्य सम्बद्धता (ट्रक ड्राइवर, रिक्शा चालक, छात्र इत्यादि) तथा विवाह और बच्चों के इर्द-गिर्द घूमता है इसलिए इनको बाँटते हुए तथा स्वभाव के लक्षणों को आधार बनाते हुए समुदाय का निर्माण करना एक प्रधान पहल होगी तथा सामाजिक आधार के लिए एक चुनौती होगी। पुरूषों के पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध में कोथी सबसे ज्यादा जोखिमी रूप से प्रभावित होती है। कई भेदन, अनेक यौन साथियों, भेदन करने वाले यौन साथियों में कन्डोम का बहुत ही कम इस्तेमाल, ज्ञान के स्तर में कमी, यौन संक्रमणों की चिकित्सा सेवाओं तक पहुँच में कमी, गुदा से रक्तस्राव का उच्च स्तर तथा चिकनाई का इस्तेमाल न करना (कदाचित थूक के इस्तेमाल के सिवाय)। इसके अलावा ज्यादातर कोथी, भेदन करने वाले साथियों की तरह ही, सामाजिक दबाव के कारण या फिर कदाचित इच्छा के कारण शादी करना तथा बच्चे पैदा करना ही चुनेंगे।

समुदाय निर्माण एवं विकास के सम्बन्ध में कोथी एक प्रभावी मौका है जिससे हम स्वभाव क्रियाऐं बदल सकते हैं। उनकी यौन पसन्द उन्हें अलग-अलग सामाजिक एवं व्यवसायिक समुदायों एवं समाज के पंथी तक पहुँचने में समर्थ करती है। ज्यादातर प्रकरण में वह पहले से ही अपने स्वभाव एवं पहचान से सामाजिक ढ़ाँचे में जकड़े हुए होते हैं तथा उनके आपस में समान्तर लक्षण समुदाय निर्माण का आधार हैं।

बिना-पहचान भेदन करने वाले पुरूषों में सुरक्षित यौन संबन्धों को बढ़ावा देने के लिए सबसे स्पष्ट रास्ता अपनाते हुए व्यवसायिक एवं समीप रहने वालों की रणनीति पर कार्य करे। इसका मतलब हमें यह स्पष्ट करना होगा कि वह गैर-सरकारी संगठन जो कि समुदाय/व्यवसाय का रास्ता अपना कर एच०आई०वी०/एड्स पर जागरूकता को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं, उन्हें गुदा यौन स्वभाव एवं उससे होने वाले खतरों को अपनी चर्चाओं में सम्मिलित करे, चाहे प्रतिभागी ट्रक ड्राइवर, रिक्शा चालक, नौजवान, स्कूल-कॉलेज, झुग्गी-झोपड़ी, निम्न आय वर्ग वाले समूह या फिर कोई और हों।

विकास

निम्नलिखित सामुदायिक जुड़ाव के विकास में कार्यान्वित होने वाले भागों के बारे में, कोथी नेटवर्क के साधनों को जुटाने में, नेटवर्कों की नेटवर्किंग एवं ऐसे ढाँचे तैयार करना जिसमें सुरक्षित यौन सम्बन्ध तथा यौन संक्रमण चिकित्सा को बढ़ावा देकर आदर्श सामुदायिक स्वभाव बनाना तथा उसका भवि य में पालन होना सुनिश्चित कराने के लिए संक्षेप में खाका बनाता है।

पहला चरण

पहले सामुदायिक नेटवर्क को स्थापित करना

जैसा कि ऊपर बताया गया है छोटे तकनीकी नेटवर्क जो कि पृथक स्थानों तथा सार्वजनिक यौन वातावरण वाली जगहों तक फैलते हैं और जो मिलने की जगहों के साथ 'यौन क्रियाओं के स्थान' का काम करते हैं, से सार्वजनिक कोथी बनता हैं। परियोजना को शुरू करने से पहले इन जगहों को तथा इनमें चलने वाले नेटवर्कों को चिन्हित करना जरूरी है।

इन नेटवर्कों से पहली भर्ती एक छोटा समूह उचित एवं रूचिकर कोथियों का बनाना चाहिए। एक ट्रेनिंग प्रोग्राम लागू करना होगा जिसमें सम्मिलित हैंः

- यौन संक्रमण/एच०आई०वी०/एड्स जागरूकता
- यौन स्वास्थ्य
- मनोयौनिक मुद्दे

- व्यवहारिक (Behavioural) तथा मानव-जाति से सम्बन्धित विज्ञान (Ethnographic) के आंकलन तकनीकी तथा नियम

एक छोटे आंकलन दल का विकास करना जो कि यौन स्वास्थ्य परियोजना के लिए चुने हुए क्षेत्र का स्वभाव तथा भौगोलिक आंकलन करे। दल अपना कार्य छोटे ड्रॉप-इन-केन्द्र से करेगा। यह केन्द्र इसी कार्य के लिए बनाया जाएगा तथा दल खुद उसका व्यवस्थापन करेगा। वह उसे चुने हुए क्षेत्र (शहर या नगर या शहर का कोई स्थान) का अन्वेषण करेगा, पहले से स्थापित कोथी सामाजिक नेटवर्क के साथ नेटवर्क स्थापित करेगा। व्यवहार एवं मानव-जाति से सम्बन्धित विज्ञान का सर्वेक्षण करना, यौन स्थलों का मानचित्रण तथा उचित यौन संक्रमणों की चिकित्सकीय सेवा का आंकलन करने का कार्य करेंगे। पहले से स्थापित एच०आई०वी०/एड्स में कार्यरत गैर-सरकारी संगठन, सरकारी एजेंसियाँ, एवं रूचि लेने वाली पार्टियों से सम्बन्ध स्थापित करना ताकि जरूरी कार्यों पर आम राय सभी की सहमति से कायम की जा सके।

कोथी नेटवर्क से समूह और अकेले व्यक्तियों को सामाजिक बैठकों के लिए एवं इस अवधि में आपस में मैत्री-भाव के मौके प्रदान करने के लिए उन्हें ड्रॉप-इन-केन्द्रों पर भेजा जाता है। यह पूरे शहर/नगर में आपस में मैत्री-भाव को बनाने में मदद करता है। इस क्रिया हेतु केन्द्र का चयनित स्थान महत्वपूर्ण है और यह स्थान उस क्षेत्र के हर कोने से पहुँचने योग्य हो जहाँ पर भवि य में परियोजना चलेगी।

जबकि इस तरह का आंकलन शहर/नगर में पुरूषों के साथ पुरूषों के यौन सम्बन्धों का खाका बनाने के लिए जरूरी है। परन्तु यह आंकलन करने का महत्वपूर्ण कारण यह भी है कि मूल कोथी दल अपना नेटवर्क तथा मित्रता एवं दोस्ताना कायम कर सके।

दूसरा चरण

इस आंकलन विश्लेषण के बाद, दल (जिसमें कि कदाचित अतिरिक्त सदस्य भी हैं जिन्हें के ड्रॉप-इन-क्रिया के माध्यम से चिन्हित किया गया है) दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेते हैं। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में निम्नलिखित सम्मिलित हैंः-

- सामुदाय आधारित यौन स्वास्थ्य प्रसार कार्यक्रम की रूप-रेखा तैयार करना
- सुविधाओं का विकास और प्रबन्धन निपुणता
- बजट और आर्थिक प्रबन्धन
- निर्देषण और मूल्यांकन
- परियोजना की रूप-रेखा

एक योजना तैयार की जाती है और उसके कार्यान्वयन एवं प्रबन्धन के लिए आर्थिक मदद ली जाती है।

MSM हेतु यौन स्वास्थ्य प्रसार सेवा का क्रियान्वयन व प्रबन्धन

समुदाय आधारित परियोजना के लिए आवश्यक है कि कोथियाँ परियोजना का स्वामित्व ग्रहण करें, सेवाओं का प्रबन्धन एवं सेवाओं का प्रयोग करें। ऐसी परियोजना लाभार्थियों की अगुवाई में होनी चाहिए, जो 'जमीनी' हों, जिसमें बाहरी अंश मात्र तकनीकी सहायता का प्रावधान हो। पारिस्थितिक विश्लेषण की प्रक्रिया सामुदायिक निर्माण हेतु पौध तैयार करती है। जिसमें कोथियाँ ड्रॉप-इन केन्द्र को मिलने-जुलने, आपस में भेंट करने, बढे हुये नेटवर्क के सृजन एवं यौन स्वास्थ्य सूचनायें एवं परामर्श प्राप्त करने हेतु प्रयोग में ला रही हैं।

दक्षिण एशिया में कई ऐसी परियोजनाऐं विकसित करने के अनुभव के आधार पर देखा कि ऐसी सेवा प्राविधानों में तीन केन्द्रीय अंश शामिल होने चाहिएः-

1. जमीनी सेवायें (पहुँच/नेटवर्क स्थापित करना)

इन कोथियों के नेटवर्क से चुने गये प्रशिक्षित पूर्णकालिक स्टॉफ (फील्ड अधिकारी/सुपरवाइजर के नाम से) विशेष स्थलों (सामान्यतः एक या दो, या अधिक, निरन्तरता के आधार पर) कार्य करने हेतु आवंटित किये जाते हैं और यह फील्ड दल (दोस्ती के दल के नाम से भी) के दल मुखिया या प्रमुख के रूप में कार्य करते हैं, यह दल तक पहुँच/नेटवर्क सम्बन्धी सेवायें मुहैय्या कराते हैं, जो निम्नवत हैंः-

- एक कार्यस्थल पर प्रतिभाग करने वालों में दोस्ती बढ़ाना व नेटवर्क का प्रसार करना, जिसमें कोथियाँ, उनके यौन साथी व अन्य (ढाबे वाले या रिक्शा चालक आदि) हैं।
- यौन संक्रमण/एच०आई०वी०/एड्स सम्बन्धी सूचनायें और शिक्षा
- कॉन्डोम (यदि सम्भव हो तो चिकनाई) वितरण और प्रदर्शन
- मनोयौनिक यौन परामर्श, सूचना और सलाह देना
- ड्रॉप-इन केन्द्र को सन्दर्भित करना एवं यथाआवश्यक चिकित्सकीय सेवा।

दोस्ती की टीम में निम्नलिखित शामिल हैंः-

स्थल बन्धु/दोस्त (स्थल दोस्त/बड्डी)

यह व्यक्ति विशेष स्थल पर जाने माने कोथी हैं, जो यौन कार्यकर्ता हो या नहीं, किन्तु यह यौन साथियों तक पहुँचने के लिये, अन्य कोथियों से भेंट करने के लिये स्थल जाते हैं। यह 'स्थल दोस्त' उस स्थल के लिये 'प्रमुख सूचनाकर्ता' के रूप में कार्य करते हैं, और फील्ड अधिकारी का उस स्थल का प्रयोग करने वाले अन्य कोथी व पंथी से मिलाते हैं। अपने यौन साथियों (सम्भावी या अन्यथा), और उस स्थल पर दुकानदारों, रिक्शा, ट्रक या बस चालकों जैसे अन्यों, आदि से मिलते हैं। यह नेटवर्क बिछाने वाले प्रमुख हैं जो समकक्षीय शिक्षक के रूप में कार्य करते हैं, अपने दोस्तों और यौन साथियों के बीच सूचनायें बाँटने वाले, तथा फील्ड अधिकारी व ड्रॉप-इन केन्द्रों पर सेवाओं से व्यक्तियों को सन्दर्भित करने के लिये। इनका प्रयोग स्थल पर यौन संक्रमणों के इलाज का अनुपालन, सुरक्षित यौन व्यवहार के स्तर, वैवाहिक बिन्दुओं का अनुश्रवण करने, कॉन्डोम को सामाजिक रूप से बिक्री करने आदि में भी किया जा सकता है। समर्थन और प्रोत्साहन के रूप में उन्हें मासिक मानदेय दिया जा सकता है। स्थल दोस्त फील्ड अधिकारी/सुपरवाइजर के निर्देशन पर कार्य करते हैं और सीधे उन्हीं को रिपोर्ट करते हैं।

स्थल स्वयंसेवक

यह स्थल विशेष पर वह व्यक्ति हैं। जो कार्यक्रम में रूची रखते हैं और अपनी स्वैच्छिक क्षमता में दोस्ती की टीम व परियोजना को समर्थन देते हैं व नेटवर्क बनाने में सहायक होते है।

पड़ोस

जहाँ व्यवहारिक हो और सुरक्षा आश्वस्त हो, दोस्ती की टीम के व्यक्तिगत सदस्यों को अपने पडोस में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है-नेटवर्क बनाना, संदर्भित करना, अपने दोस्तों और पडोस के यौन साथियों के बीच सूचनायें और कॉन्डोम वितरित करना।

प्रत्येक दोस्ती के दल नियमित आधार पर पास-पडोस में स्थित उन कम संख्या के स्थलों पर कार्य करते हैं जहाँ दैनिक भ्रमण सम्भव हो। सामान्यतः यह संख्या 2 से 5 ऐसे स्थलों की होंगी। इरादा जान-पहचान बढ़ाने, एक राय बनाना, सामुदायिक निर्माण, सुरक्षित यौन प्रक्रिया हेतु प्रोत्साहित करना, यौन संक्रमण चिकित्सा तक पहुँच सुनिश्चित करने का है।

फील्ड अधिकारी/सुपरवाइजर एवं स्थल दोस्त को एक पहचान-पत्र दिया जाता है, जिसका प्रयोग स्थानीय पुलिस के साथ पहचान स्थापित करने में किया जा सकता है, या किसी अन्य अधिकारी को जो किये जा रहे कार्य पर प्रश्नचिन्ह लगाये, को पहचान देने में प्रयोग में लाया जा सकता है। ऐसे प्राधिकारियों के साथ सम्पर्क स्थापित कर, किये जा रहे कार्य के लिये उनका समर्थन जरूरी है।

कॉन्डोम एवं चिकनाई वितरण

कई कोथी (एवं अन्य) नियमित दुकानों से कॉन्डोम प्राप्त करने में शर्म महसूस करते हैं (विशेषकर यदि वह युवा है और/या अविवाहित) और न ही परिवार नियोजन चिकित्सालयों में प्रवेश है। स्थलीय वितरण द्वारा उपलब्धता सुलभ होने व सस्ते तरीकों से कॉन्डोम व चिकनाई की उपलब्धता से कॉन्डोम का प्रयोग बढ़ सकता है।

एक महत्वपूर्ण समस्या यह है कि दक्षिण एशिया में गुदा सेक्स के लिये उपयुक्त कॉन्डोम उपलब्ध नहीं है, न ही कोई उपर्युक्त व सस्ती बंद जल-आधारित चिकनाई उपलब्ध है।

2. केन्द्र-आधारित क्रियाकलाप

ड्रॉप-इन सेवायें

ड्रॉप-इन केन्द्र सेवायें मूल आंकलन अवधि से बढ़ाकर, केन्द्र पर बनी हुई मात्रा में अब संदर्भित किये जा रहे व्यक्तियों को सम्मिलित किया जा गया है। यह भेंट करना और जान-पहचान बढ़ाने हेतु सुरक्षित स्थान है। ऐसी सेवा को मनोरंजन (जैसे टेलीविजन, खेल इत्यादि), व्यक्गित मनोयौनिक यौन परामर्श, कॉन्डोम प्रयोग पर निर्देश, यौन संक्रमण/एच०आई०वी०/एड्स पर सूचनायें एवं सलाह प्राविधानित करनी होंगी तथा एक-दूसरे से परस्पर मिलने के लिये सुरक्षित स्थान देना होगा।

सामाजिक मेलजोल-भेंट

कई प्रकार के केंद्र-आधारित सामाजिक समूह विकसित हो जाते हैं, प्रत्येक हेतु फील्ड अधिकारी/सुपरवाइजर द्वारा अपने व्यक्तिगत, सामाजिक व क्षेत्रीय कार्य नेटवर्क के आधार पर सुविधादायक के रूप में कार्य किया जाता है। यह समूह ऐसे स्थल के रूप में कार्य करते हैं। जहाँ व्यक्तिगत दोस्ती व समुदाय-निर्माण विकसित की जा सकती है, अनुभवों का आदान-प्रदान हो सकता है और समान उद्देश्य बन सकते हैं।

इनमें निम्न के विशेष समूह भी हो सकते हैंः

- यौन कार्यकर्ता
- विद्यार्थी

- विवाहित MSM
- पंथी
- युवा
- अन्यों की पहचान हो

यौन स्वास्थ्य शिक्षा कक्षायें

सीमित अवधि में कार्य करते हुये प्रत्येक कक्षा का यौन स्वास्थ्य बिन्दुओं को चिन्हित करने एवं सूचना तथा ज्ञान देने का एजेंडा तय है।

व्यक्तिगत कौशल विकास

कई प्रकार की शैक्षिक कक्षायें उपलब्ध होनी चाहिए जैसे साक्षरता, सामाजिक कौशल, जीवन कौशल, स्वास्थ्य वर्द्धक ज्ञान, व्यवहारिक कौशल, आम सृजन कौशल इत्यादि।

केंद्र आधारित गतिविधियाँ निम्नलिखित से सम्बन्धित हैंः-

व्यक्तिगत एवं भावनात्मक आवश्यकतायें जिनमेंः-

- यौन उत्पीड़न व हिंसा
- व्यक्तिगत स्वच्छता
- दोस्ती
- पहचान और चाह
- सशक्तिकरण
- व्यक्तिगत कौशल विकास
- व्यक्तिगत स्वास्थ्य मुद्दे
- एच०आई०वी०/एड्स के साथ जी रहे लोगों के लिए सहारा और ध्यान रखना

सामाजिक आवश्यकतायें जिनमेंः-

- शिक्षा
- रोजगाार
- आर्थिक विकास
- मानवाधिकार
- परिवार विवाह एवं बच्चे
- व्यवहारिक कौशल
- मेल-जोल हेतु स्थल

यौन स्वास्थ्य आवश्यकतायें जिनमेंः-

- कॉन्डोम्स्
- जल आधारित चिकनाई
- उचित यौन संक्रमणों का इलाज
- मानोयौनिक परामर्श
- एच०आई०वी०/एड्स परामर्श

- जानकारी या ज्ञान
- सशक्तिकरण
- परिचर्चा कौशल

अन्य सेवायें विकसित की जा सकती हैंः-

रोजगार एवं निवास नेटवर्क

कोथी नेटवर्क का उपयोग कर रोजगार के अवसर एवं रिक्त निवास तथा आकस्मिक निवास का चिन्हांकन।

बजट एवं ऋण क्लब

कोथी नेटवर्क में अल्प बचत और ऋण हेतु प्रोत्साहन

वकालत

पुलिस एवं गुण्डों द्वारा उत्पीड़न उन कोथियों में सामान्यतः पाया जाता है, जो सार्वजनिक स्थलों का उपयोग सामाजिक स्थान के रूप में, यौन सम्बन्ध हेतु यौन बेचने हेतु करते हैं। न्यायिक सहायता सेवा विकसित कर, मानवाधिकार अत्याचारों को चुनौती देकर एवं परामर्श सहायता देकर सेवा उपयोग एवं पहुँच का फ्रेमवर्क तैयार किया जा सकता है। जिसे 'सामुदायिक सेवा' के रूप में देखा जा सकता है। जो कि उत्पन्न लिंग/यौन समुदाय से जुड़ाव प्रोत्साहित करता है।

3. स्वास्थ्य एवं देखभाल सेवायें

कलंकित व्यवहार के कारण मुख्य सेवाओं तक पहुँच अत्यधिक कठिन होने से कोथियों के पास उचित चिकित्सकीय सेवाओं, मुख्यतः गुदा यौन व्यवहार से सम्बन्धित सेवाओं तक पहुँच के बेहद सीमित अवसर हैं। केन्द्र आधारित यौन संक्रमण सेवायें जो लक्षणों के प्रबन्धन और इलाज व कर-मुक्त अथवा कम दामों वाली दवाओं तक पहुँच प्राविधानित करती हैं, कोथियों और उनके सहयोगियों के लिए सुरक्षित स्थल का सृजन करती हैं, जहाँ सहायतित एवं सहानुभूतिपूर्ण सेवा तक पहुँच और आश्वासन मिल सकता है। यह आवश्यक है कि उचित डॉक्टर हो जो समस्याओं को समझता हो, विशेषकर गुदा यौन व्यवहार और खतरों के सम्बन्ध में और जो सहायता-युक्त वातावरण का निर्माण कर सके।

साथ ही स्वैच्छिक परीक्षण और परामर्श सेवा भी हो सकता है, ताकि सन्दर्भित व्यक्ति एच०आई०वी० एन्टीबॉडी परीक्षण के साथ परीक्षण से पूर्व व पश्चात परामर्श प्राप्त कर सके।

इसके अलावा, संगठन उचित सहायता व देखभाल सकारात्मक समूह के साथ कार्य करे जो स्त्रियोचित व्यवहार के कारण कोथियों के साथ भेद-भाव न करें, अथवा सहायता व देखभाल सेवा का विकास आवासीय-देखभाल व 'बड्डी' सहायता व्यवस्था प्रविधानित करने वाले संगठन को करना चाहिए।

यह तीनों परस्पर जुड़े हुये एवं परस्पर सहायता करने वाले सेवा प्राविधानों के फ्रेमवर्क सार्थक वातावरण के रूप में कार्य करते हुए खतरों में कमी व सुरक्षित यौन प्रोत्साहन हेतु सर्वव्यापी कार्यक्रम का सृजन करते हैं। यह मनोवैज्ञानिक समुदाय का निर्माण करते हैं, जो परिवार स्थान, मूल (ग्रामीण एवं नगरीय), स्तर, आर्थिक समूह व कार्यसम्बद्धता से परे हैं। यह एक समान चिंताओं और आवश्यकताओं वाला मनोयौनिक समुदाय है। यह विभिन्न नेटवर्क का उपयोग कर ऐसे समुदायों को नेटवर्क जोड़ने और निर्माण कर रही है, जो यौन संक्रमण/एच०आई०वी०/एड्स के प्रति जागरूकता एवं मानवाकृत चिंता के रूप में यौन स्वास्थ्य का प्रोत्साहन कर सके।

तकनीकी सहायता

इनमें से लगभग सभी उभरते यौन स्वास्थ्य अभिकरणों को काफी तकनीकी सहायता व प्रारम्भिक प्रशिक्षण की आवश्यकता पड़ेगी। यह इसलिये क्योंकि परियोजना दल में सम्भवतः किसी का भी गैर-सरकारी संगठन में काम करने या यौन स्वास्थ्य सेवायें देने का पूरा अनुभव नहीं होगा। यह आवश्यक है कि ऐसी सेवा देने के लिए उचित तकनीकी सहायता सुनिश्चित की जाये। इसका आशय हुआ कि तकनीकी सहायता ऐसे व्यक्ति/अभिकरण से मिलनी चाहिये जिसे दक्षिण एशिया में पुरूष के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के सम्बन्धों के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं की पूर्ण समझ हो। जैसे कि एन०एफ०आई०।

द्वितीय कार्यशाला

द्वितीय कार्यशाला के प्रतिभागी कौन हैं?

यह कार्यशाला पारिस्थितिक/आवश्यकताओं के आंकलन एवं आंकलन आंख्या के क्रम में होती है।

कार्यशाला में प्रतिभागियों में स्थापित फोकस व्यक्ति/परियोजना प्रबन्धक, आंकलन समूह के सदस्य, नव-पंजीकृत समुदाय आधारित संगठन के प्रबन्धक, परिषद के ट्रस्टीज़् (Trustees) सम्मिलित हैं।

लक्ष्य

MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना का विकास

उद्देश्य

- MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना प्रस्ताव का गठन
- MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना को विकसित, कार्यान्वित और प्रबन्धन करने के लिये आंकलन दल के सदस्यों का प्रशिक्षण

परियोजना विकास परिभाषायें

जवाबदेही

लाभार्थियों के साथ ही साथ सेवा प्रदाताओं को भी को जवाबदेह होना होगा कि किसके लिये सेवायें प्रदान की जा रही हैं। किसी के कार्यकलापों और खर्चों का एक वास्तविक लेखा देने के लिय इसमें कानूनी/वैध आवश्यतायें सम्मिलित होंगे।

सामुदायिक विकास

आदर्श विशेष पर आधारित स्वास्थ्य प्रोत्साहन करने का माध्यम, जिसमें व्यक्तियों के स्थान पर समूहों के साथ कार्य करने पर विशेष ध्यान आकर्षित है तथा समाज के सर्वाधिक पिछड़ों के साथ कार्य कर सशक्तिकरण सुनिश्चित करना। इसमें धरातल पर कार्य संगठन का विकास व प्रतिभागिता सम्मिलित है। इसमें विशिष्ट समुदायों के अन्दर व्यक्तियों द्वारा परस्पर सहयोग और सामुदायिक नेटवर्क के द्वारा संदेशों का फैलाव सम्मिलित है।

सामुदायिक साधनों का जुटाव

उत्तरदायित्व के प्रति पूरी तरह से रणनीति के तहत प्रतिक्रिया, जिसमें मित्र-मित्र जन-मानस को विभिन्न सेवाओं का सर्वश्रेष्ट मिश्रण सबसे कम कीमत पर दिया जा सके।

प्रभावशीलता

मध्यस्थता (Intervention) द्वारा वास्तविक जीवन की परिस्थितियों में वांछित परिणाम देने की सक्षमता।

मूल्यांकन

घोषित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये नियोजित मध्यस्थता (Intervention) (प्रभावीपन, सक्षमता एवं स्वीकार्यता का आंकलन। किसी सेवा की प्रभावशीलता का मूल्यांकन उसके परिणामों के मापन से होता है।

मूल्यांकन (निर्माणात्मक)

निष्कर्ष निकालने का प्रयास, ताकि मध्यस्थता के तरीकों को बेहतर किया जा सके। सामान्य प्रक्रिया-आधारित तरीकों का प्रयोग करते हैं।

मूल्यांकन (संकलनात्मक)

वह मूल्यांकन जो यह निष्कर्ष निकालने का प्रयास करे कि क्या कोई मध्यस्थता अपने लक्ष्य को पाने में सफल होती है।

मील के पत्थर

महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ जो प्रदर्शन लक्ष्यों के लिए अनिवार्य हैं। अतः प्रदर्शन लक्ष्यों को परिणामों के रूप में, सत्यापन को परिणामों के मापन के रूप में एवं मील के पत्थरों को प्रक्रिया या परिणामों के लक्ष्यों के रूप में देखा जा सकता है।

अनुश्रवण

क्रियाओं का अनुश्रवण ताकि कार्ययोजना के साथ कार्य सुनिश्चित किया जा सके।

परिणाम

इन सेवाओं का व्यक्ति के स्वास्थ्य पर भावी प्रभाव, सकारात्मक या नकारात्मक, जो इन सेवाओं के कारण हो।

परिणामों के मापन में सम्मिलित हैंः

- सुरक्षित यौन सम्बन्ध एवं एच०आई०वी० का ज्ञान
- सुरक्षित यौन सम्बन्धों के प्रति रूख
- सूचित यौन व्यवहार
- असुरक्षित यौन सम्बन्ध के जैविक चिन्ह जैसे यौन संक्रमण

उत्पत्ति

प्रक्रिया के मात्रात्मक योग्य उत्पादक घटक जैसेः कागजों की संख्या, या सम्पर्क व्यक्तियों की संख्या

पहुँच/प्रसार

संस्था की व्यवस्था के बाहर जैसे सड़कों, स्टेशन, मदिरालय या मधुशाला और भोजनालय में किया गया कोई कर्म, यह समुदाय में खतरे में कमी लाने हेतु परिवर्तन को प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर सकती है, या अप्रत्यक्ष रूप से परिवर्तन या व्यक्तियों को विद्यमान इलाज की ओर आकर्षित कर एवं सहायक सेवाओं को सुविधाजनक कर सकती है।

समकक्ष शिक्षा

इसका तात्पर्य आयु, लिंग, यौन अथवा जाति जैसी विशिष्टताओं के आधार पर समकक्ष व्यक्तियों द्वारा अन्य व्यक्तियों को दी जाने वाली शिक्षा व अन्य सहायता से है। यह प्रतिभागिता या शिक्षाशास्त्रीय आधार पर हो सकती है।

क्रियात्मक लक्ष्य

ग्राहकों पर सेवाओं का वांछित प्रभाव

प्रक्रिया

इसका तात्पर्य सेवा को बनाने वाले कार्यों से है।

परिणामों का गुणात्मक आंकलन

प्रतिभागियों के प्रश्न कि मध्यस्थता ने उनकी जानकारी, रूख अथवा व्यवहार को कैसे प्रभावित किया।

जैसेः कॉन्डोम (निरोध) का बमुश्किल प्रयोग करने वाले तात्पर्य व समझदारी से सघनता से जुड़ा है, तथा पुरूष शक्ति के उपयोग से भी। परिणाम मापन जो केवल यह सूचना रखते हैं कि कितनी बार निरोध का प्रयोग हुआ, अन्य छुपे हुये प्रभावों को नजरअंदाज कर देते हैं। एच०आई०वी०/एड्स स्वास्थ्य प्रचार के प्रभावीपन के सम्बन्ध में केवल सरसरी जानकारी देते हैं।

गुणवत्ता मानक

मूल्यों का वह समूह, जिससे कोई एजेंसी अपनी सेवा प्रदत्तता को लागू करने हेतु सहमत होती है।

विश्वसनीयता

विभिन्न परिप्रेक्ष्य में परिणाम देने में किसी सूचनांक की निरन्तरता

सेवा सम्परीक्षण

आँकड़ों (Data) का संकलन, जो परिणाम और/या उत्पत्ति/प्रक्रिया माप से सम्बन्धित है, ताकि पूर्व निर्धारित मानकों के सापेक्ष इनकी तुलना की जा सके।

इनमें सम्मिलित हैंः

- तय मानक
- क्रियान्वयन का मानक
- क्रियान्वयन और मानक की तुलना
- चर्चा
- क्रियान्वयन को बेहतर करने के लिए फीडबैक

सेवा सत्यापन

इसका प्रयोग यह आंकलन करने के लिए किया जाता है कि क्या क्रियात्मक लक्षणों की पूर्ति हुयी या नहीं। ग्राहक पर प्रभाव का आंकलन, क्रियात्मक लक्ष्यों की पूर्ति हुयी या नहीं, यह तय करने के लिये किया जाता है।

ढाँचा

इसका तात्पर्य ठोस बिन्दुओं की उपस्थिति से है, जिनके कारण स्वास्थ्य सेवा सम्भव हो पाती है। जैसे भवन और प्रशिक्षित स्टॉफ।

समय-श्रृंखला विश्लेषण

एकल समूह-श्रृंखला की भाँति ही, किन्तु विभिन्न समूहों से अन्तराल में नमूने लिये जाते हैं।

एक ठोस क्रास सेक्शनल् स्टडी में इनकी खोज होनी चाहिये कि नमूने किस सीमा तक सामाजिक व जनसांख्यिकीय विशेषताओं में एक जैसे हैं, और दूसरे किस सीमा तक रिकार्ड किये जा रहे मापन प्रभावित होते हैं। गुणवत्ता क्रम डाटा अथवा मीडिया की सूचनाओं का भी प्रयोग करना चाहिये।

समय-श्रृंखला विश्लेषण (एकल समूह)

एकल समूह समय-श्रृंखला में व्यक्तियों का समूह सम्मिलित है, जिसका आंकलन हस्तक्षेप नीति से पूर्व, दौरान एवं (अथवा बाद में किया जाता है, ताकि हस्तक्षेप नीति के प्रभाव को स्थापित किया जा सके)।

वैधता

इसका तात्पर्य किसी सूचनांक से है जो कि छानबीन किये जा रहे पहलुओं को कितनी सत्यता से प्रतिबिम्बित करता है।

कार्यशाला-2 ऐजेंडा

पहला दिनः फ्रेमवर्क का विकास

- स्वागत तथा पंजीकरण
- आधारभूत नियम
- पहली कार्यशाला के सारांश का पुनरावलोकन
- पारिथितिक आंकलन
- बदलते व्यवहार
- प्रतिक्रिया निर्माण
- परियोजना के तथ्यात्मक ढाँचे का विकास
- उचित वातावरण का निर्माण
- परियोजना का विकास
- परियोजना के लक्ष्य और उद्देश्य का निर्माण

दूसरा दिनः परियोजना विकास-1

- स्वागत
- पहले दिन से फीडबैक
- MSM व्यवहारिक सार का पुनरावलोकन
- लक्ष्य, क्रियात्मक लक्ष्य व सूचकांकों का विकास
- व्यवहार में परिवर्तन को समझना
- MSM में सुरक्षित यौन क्रियाओं हेतु खतरे में कमी का प्रयास करना
- समुदाय को संगठित करना/क्रियाशील करना
- समुदाय निर्माण
- सेवा उपलब्ध कराने के मूल अंश
- MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के मूल घटक
- शिक्षा
- रोकथाम
- पहुँच/प्रसार
- चिकित्सकीय सेवायें
- सामाजिक सहायता सेवायें
- सेवायें किसके लिये लक्षित हैं?

तीसरा दिनः परियोजना विकास -2

- स्वागत
- दूसरे दिन से फीडबैक
- पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के लिये व्यवहार बदलाव संप्रेक्षण सामग्री तैयार करना MSM के लिये यौन संक्रमण/एच०आई०वी० की रोकथाम के लिये रणनीति तैयार करना
- वकालत और सहायतार्थ सेवायें विकसित करना
- रणनीति और क्रियाओं का चिन्हांकन

द्वितीय चरणः MSM यौनिक स्वास्थ्य परियोजना का क्रियान्वयन

- न्यूनतम मानक निम्न के लिये हैं
- व्यवहार बदलाव संप्रेक्षण सामग्री
- यौन संक्रमण देखरेख
- निरोध कार्यक्रम
- सार्थक वातावरण
- संगठनात्मक ढाँचा

चौथा दिनः परियोजना प्रबन्धन-1

- स्वागत
- तीसरे दिन के आधार पर फीडबैक
- परियोजना प्रबन्धन क्या है?
- कर्मियों के स्तर एवं कर्मियों का विकास
- कर्मियों के लिये कार्यों का विवरण
- आम व्ययक एवं वित्तीय प्रबन्धन
- निरन्तरता
- कार्य योजना तैयार करना
- उद्देश्यों का पुनरावलोकन
- क्रियात्मक लक्ष्य
- सूचनांक
- MSM की महिला साथी

पाँचवां दिनः परियोजना प्रबन्धन -2

- स्वागत
- चौथे दिन के आधार पर फीडबैक
- परियोजना अनुश्रवण
- अनुश्रवण रिकार्ड
- मूल्यांकन
- सूचना-संकलन
- वित्तीय प्रबन्धन एवं सूचनायें
- परियोजना प्रस्ताव तैयार करना
- परियोजना विविध फ्रेमवर्क
- संस्थागत क्षमता विकसित करना
- तकनीकी सहायता क्या है?
- आगे की राह और समापन

समय-सारणी की रूप-रेखा

पहला दिनः फ्रेमवर्क का विकास

समय		समयावधि
09:00	स्वागत, परिचय और माहौल की शुरूआत	15
09:15	बुनियादी नियम	30
09:45	पहली कार्यशाला का सारांश सहित पुनरावृत्ति	15
10:00	दूसरी कार्यशाला का लक्ष्य और उद्देश्य	15
10:15	पारिस्थितिक आंकलन	60
11:15	अल्पावकाश	15
11:30	पारिस्थितिक आंकलन-जारी	60
12:30	बदलते व्यवहार	30
13:00	भोजनावकाश	60
14:00	बदलते व्यवहार-जारी	60
15:00	प्रतिक्रिया का निर्माण एवं विकास	60
16:00	अल्पावकाश	15
16:15	समर्थ वातावरण का निर्माण	30
16:45	यौन स्वास्थ्य परियोजना का विकास	30
17:15	परियोजना के लक्ष्य और उद्देश्य का निर्माण	45

दूसरा दिनः परियोजना विकास (भाग-एक)

समय		समयावधि
09:00	स्वागत और माहौल की शुरूआत	15
09:15	पहले दिन की कार्यवाही से फीडबैक	30
09:45	करणीय कार्य के लक्ष्य और सूचकांकों के उद्देश्यों का विकास	75
11:00	अल्पावकाश	15
11:15	र्निगत और परिणाम	45
12:00	यौन स्वास्थ्य प्रवर्द्धन की नीतियाँ	60
13:00	भोजनावकाश	60
14:00	नीतियाँ-जारी	40
14:40	सामुदायिक निर्माण	40
15:20	सामुदायिक गतिशीलता	40
16:00	अल्पावकाश	15
16:15	MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के मूल घटक	105
18:00	समापन	

तीसरा दिनः परियोजना विकास (भाग-दो)

समय		समयावधि
09:00	स्वागत और माहौल की शुरूआत	15

09:15	दूसरे दिन की कार्यवाही से फीडबैक	30
09:45	सहायक सेवाओं का विकास	75
11:00	अल्पावकाश	15
11:15	क्रियाकलापों की पहचान	105
13:00	भोजनावकाश	60
14:00	व्यवहार बदलाव संप्रेक्षण (BCC) क्या है?	120
15:20	कॉन्डोम प्रवर्द्धन	50
16:10	अल्पावकाश	15
16:25	यौन संक्रमण और संरक्षा	45
17:10	न्यूनतम मापदंड	60
18:10	समापन	

चौथा दिनः परियोजना व्यवस्थापन (भाग-एक)

समय		समयावधि
09:00	स्वागत और माहौल की शुरूआत	15
09:15	तीसरे दिन की कार्यवाही से फीडबैक	30
09:45	संगठन की संरचना का विकास	75
11:00	अल्पावकाश	15
11:15	कर्मचारी चयन की जरूरतें	60
12:15	व्यवस्थापन पॉलिसी और प्रक्रियाऐं	45
13:00	भोजनावकाश	60
14:00	बजट का विकास	90
15:30	निर्वाहन/सम्भालना	30
16:00	अल्पावकाश	15
L6:15	समय-सारणी और कार्ययोजना का विकास	105
18:00	समापन	

पाँचवा दिनः परियोजना व्यवस्थापन दो

समय		समयावधि
09:00	स्वागत और माहौल की शुरूआत	15
09:15	चौथे दिन की कार्यवाही से फीडबैक	30
09:45	अनुश्रवण	90
11:15	अल्पावकाश	15
11:30	मूल्यांकन	30
12:00	विवरण (Reports)	45
12:45	वित्तीय प्रबन्धन और विवरण प्रणाली	45
13:30	भोजनावकाश	60
14:30	परियोजना के तार्किक ढाँचे का विकास	75
15:45	परियोजना प्रस्ताव का विकास	30
16:15	अल्पावकाश	15

16.30	परियोजना प्रस्ताव का विकास-जारी	60
17.30	संस्थागत सामर्थ्य का विकास	30
18.00	राहें और भी हैं और समापन	

पहला दिनः फ्रेमवर्क का विकास

प्रातः 9 बजे स्वागत एवं पंजीकरण

जैसे ही प्रतिभागी स्थल पर पहुँचे, दैनिक पंजीकरण प्रपत्र को भरकर नाम-पट्टिका, फोल्डर, लेखन-सामग्री और बाँट दें। प्रत्येक प्रतिभागी का दैनिक उपस्थितिकरण होना चाहिये।

अभ्यास 1ः तनन-पसरन

तनन-पसरन बाद प्रतिभागियों को जोड़ों में, एक-दूसरे से अपना परिचय देते हुये अपने बारे में कोई सकारात्मक तथ्य देने के लिये कहना है। प्रत्येक प्रतिभागी अपने साथी को इसके लिये 3 मिनट का समय देगा। सुविधादाता खुद अपने सम्बन्ध में कुछ सकारात्क कह कर इसे प्रदर्शित करता है।

इस व्यायाम के बाद प्रतिभागी बड़े समूह के पास स्वयं हाजिर होते हैं।

समयः 15 मिनट

प्रातः 9.15 बजे आधारभूत नियम

समझायें कि आधारभूत नियम क्या हैं और यह किस उद्देश्य के निमित्त हैं।

अभ्यास 2ः आधारभूत नियमों को तय करना

प्रतिभागियों को दो समूहों में बाँटकर, कार्यशाला सही रूप से चलाने व इसमें सभी लोगों की पूर्ण सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु मार्गदर्शन तय करने के लिये विचार-विमर्श करने को कहें।

समयः 10 मिनट

प्रत्येक अर्द्ध-समूह को समूह में नियमों की अपनी सूचीमय करने और उनके कारण सहित प्रस्तुत करने को कहें। सुविधादाता भी समूह को अपनी संस्तुति दे सकता है। नियमों की एक संकलित सूची बनायी जाती है।

समयः 20 मिनट

उद्देश्य

प्रभावी सहकारिता सुनिश्चित करने हेतु सभी कार्यशाला प्रतिभागियों को एक समान आदर्शों को समझने और विकसित करने के लिये

प्रातः 9.45 बजेः पहली कार्यशाला के सार का पुनरावलोकन

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

यह पहली कार्यशाला पर एक संक्षिप्त प्रस्तुतीकरण है उसके विषयों और आगे की कार्यवाही पर साथ ही एच०आई०वी०/एड्स एवं यौन रोगों पर संक्षिप्त पुनःस्मरण पुनरावलोकन का प्रस्तुतीकरण।

समयः 15 मिनट

प्रातः 10 बजे दूसरी कार्यशाला के उद्देश्य और लक्ष्य

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

प्रशिक्षण कार्यक्रम की संक्षिप्त रूपरेखा दी जायेगीः

- किस के लिये
- कार्यशाला का ऐजेंडा
- उद्देश्य
- परिणाम

समयः 15 मिनट

प्रातः 10.15 बजेः पारिस्थितिक आंकलन

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

विकसित प्रक्रिया का पुनरावलोकन दें, जिसके द्वारा आंकलन किया गया है। आंकलन आंख्या और उसके परिणाम का संक्षिप्त में पुनरावलोकन दें। बिन्दुवार ओवरहैड के रूप में प्रस्तुत करें।

MSM मानचित्र दिखायें।

समयः 20 मिनट

इसके बाद यौन स्वास्थ्य पर WHO की परिभाषा दें।

अभ्यास 3ः निम्न के परिप्रेक्ष्य में MSM के लिये विचारणीय बिन्दु क्या है?

- भौतिक
- मानसिक/आध्यात्मिक
- मनोवैज्ञानिक
- सामाजिक

प्रतिभागियों को समूह में विचार-मंथन कर उक्तानुसार प्रत्येक शीर्षक के अधीन MSM से सम्बन्धित बिन्दु बुलेटिन बिन्दु के रूप में लिखने को कहें।

समयः 20 मिनट

इसके बाद प्रतिभागियों को आंकलन आंख्या से निकले विचारणीय बिन्दुओं को ओवरहैड के रूप में दिखायें। तुलना करें तथा चर्चा के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को बुलेटिन बिन्दुओं के रूप में लिखें और प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त करें।

समयः 20 मिनट

प्रातः 11.15 अवकाश

प्रातः 11.30 परिस्थिति का आंकलन-जारी

अभ्यास 4ः इन विचारणीय बिन्दुओं के आधार पर आवश्यकतायें लिखें।

समूहों को चिन्हित विचारणीय बिन्दुओं से उत्पन्न हो रही आवश्यकताओं को सूचीद्ध करने को कहें और पुनः उन्हीं शीर्षकों के अधीन भौतिक, मानसिक/बौद्धिक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक।

समयः 15 मिनट

इसके बाद आख्या से निकली आवश्यकताओं को सूची को प्रदर्शित कर तुलना करें। महत्वपूर्ण बिन्दुओं को बुलेटिन बिन्दुओं के रूप में लिखें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त करें।

समयः 15 मिनट

अभ्यास 5ः इन आवश्यकताओं से प्रस्ताव की एक कड़ी विकसित की जाय और उन्हें समझाने हेतु कदम उठाये जायें

इन आवश्यकताओं से क्रिया के लिये संस्तुतियों की श्रृंखला विकसित करें ताकि इनकी पूर्ति हो सके। समूहों को चिन्हित विचारणीय बिन्दुओं और आवश्यकताओं से उत्पन्न संस्तुतियों की श्रृंखला विकसित करने को कहें; पुनः प्रत्येक शीर्षक के अधीन भौतिक, मानसिक/बौद्धिक, मनोवैज्ञानिक तथा सामाजिक।

समयः 15 मिनट

इसके बाद आख्यां की संस्तुतियों को प्रदर्शित कर तुलना करें। महत्वपूर्ण बिन्दुओं को बुलेटिन बिन्दुओं के रूप में लिखें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

समयः 15 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को विचारणीय बिन्दुओं तथा आवश्यकताओं की साफ-साफ समझ विकसित हो सके तथा डैड के यौन स्वास्थ्य को प्रोत्साहित करने के लिये क्या कार्यवाही वांछित है।

समय 12.30 दोपहर बदलते व्यवहार

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

प्रतिभागियों को MSM यौन स्वास्थ्य मध्यस्थता विकसित करने का उद्देश्य समझायें।

उद्देश्यः यौन संक्रमण/एच०आई०वी० से रोग-ग्रस्त होने के खतरे को कम करना

इसकी पूर्ति के लिये तरीकों पर चर्चा करें।

तरीकाः यौन सुरक्षित प्रक्रिया हेतु व्यवहार में परिवर्तन का प्रचार करना।

इसे खतरे को कम करने की रणनीति कहते हैं।

विकल्प समझायेंः

- यौन सम्बन्ध न रखें।
- सुरक्षित यौन सम्बन्ध (इसका क्या तात्पर्य है?)
- साथियों में कमी?
- एकल विवाह?
- अधिक सुरक्षित यौन सम्बन्द्ध (इसका क्या तात्पर्य है?)
- बिना भेदन का यौन सम्बन्ध
- कम खतरे वाला यौन सम्बन्ध
- कॉन्डोम का प्रयोग
- प्रारम्भिक यौन संक्रमण का इलाज
- यौन साथियों का इलाज

प्रत्येक विकल्प की चर्चा करें तथा महत्वपूर्ण बिन्दुओं को लिखें। प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

पूछे जाने वाले प्रश्नः

- यह तरीका कितना सम्भव है?
- MSM व्यवहार, पहचान एवं फ्रेमवर्क के परिप्रेक्ष्य में क्या यह उचित प्रतीत होते हैं?

इसके बाद व्यवहार और व्यवहार परिवर्तन के फ्रेमवर्क पर निम्न का प्रयोग करते हुये चर्चा करेंः

व्यवहार निर्माण करने की प्रक्रियाः

मुझे क्या महसूस होता है;	चाहत
मैं क्या विश्वास करता हूँ;	सोचें
मैं क्या करूँ;	व्यवहार

परिणाम

व्यवहार में परिवर्तन के लिये निम्नलिखित आवश्यक हैः
- जानकारी
- चाहत
- इच्छा
- कौशल/प्रवीणता
- शक्ति

समयः 30 मिनट

दोपहर 1.00 भोजनावकाश

दोपहर 2.00 बदलते व्यवहार - जारी

अभ्यास 6ः व्यवहार बदलाव में संवर्धन

व्यवहार में परिवर्तन का प्रचार समूहों में प्रतिभागियों को विचार-विमर्श कर विचारों को सूचीबद्ध करने के लिये कहें, जो उनके विचार में MSM में व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित/सुविधाजनक करेगा जिससे यौन संक्रमण/एच०आई०वी० रोग-ग्रस्त को कम करने में यौन स्वास्थ्य को प्रचारित करेगा।

सुनिश्चित करें कि MSM के साथियों पुरूष/महिलाओं/पत्नियों पर अवश्य विचार किया जाय।

समयः 30 मिनट

तदोपरांत हर समूह अपनी सूची को प्रस्तुत करेगा। उजागर होने वाले हर बिन्दु पर व्यवहारिकता एवं पूर्ति के परिप्रेक्ष्य में चर्चा करें। सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं का पुनरावलोकन करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक प्राप्त करें।

चर्चा के अन्त में प्रतिभागियों को साफ-साफ बतायें कि एच०आई०वी० का कोई टीका नहीं, और एड्स का कोई इलाज नहीं है।

कॉन्डोम आजीवन के लिये है।

इस कथन का चलन्त पहलू समझायें।

यह भी समझायें कि विचारणीय बिन्दु केवल यौन प्रक्रियायें परिवर्तित करने का नहीं है, बल्कि भविष्य में कैसे लगातार जारी रखा जा सकता है। सुरक्षित यौन सम्बन्ध व्यवहार में मात्र एक गलती से रोग-ग्रस्त हो सकते हैं।

महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट कर लें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को अधिक खतरे वाले व्यवहार करने वाले MSM में व्यवहार परिवर्तन प्रचारित करने की विचारधारा को समझने के लिये सक्षम करना।

3.00 दोपहरः प्रतिउत्तर विकसित करना

अभ्यास 7ः हमें कौन सा प्रतिउत्तर विकसित करना चाहिये?

समूहों में प्रतिभागियों को अभ्यास 6 से उजागर विचारों पर विचार विमर्श करने को कहें, तथा निम्नलिखित को सूचीबद्ध करें कि क्या प्रतिउत्तर विकसित किये जायें।

व्यवहार परिवर्तन का प्रसारः

- खतरा कम करने की रणनीति
- यौन संक्रमणों का प्रारम्भ में इलाज
- दोनों महिला और पुरूष साथियों का इलाज

समयः 15 मिनट

दोनों समूहों को एकत्र करें। प्रत्येक समूह को प्रस्तुतीकरण करने को कहें तथा चर्चा करें। महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सूचीबद्ध करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

प्रतिभागियों को समझायें कि यह लक्षित पहल है।

लक्षित उप-जनसमूहः उच्च खतरे वाले MSM (नोटः सभी MSM उच्च खतरे में नहीं हैं)।

आंकलन आंख्या का आवश्यकतानुसार सन्दर्भ लें।

समयः 15 मिनट

अभ्यास 8ः किसे प्रतिउत्तर देना चाहिये और क्यों?

पहले निम्नलिखित समझायेंः

- सरकारी संस्था (GO)
- गैर-सरकारी संगठन (NGO)
- एड्स सेवा संगठन (ASO)
- समुदाय आधारित संगठन (CBO)

इसके बाद समूह में प्रतिभागियों को चर्चा करने को कहें कि किसको प्रतिउत्तर देना चाहिये और क्यों? बुलेटिन बिन्दुओं के रूप में सूचीबद्ध करें।

समयः 15 मिनट

समूहों को एकत्र करें और प्रत्येक समूह प्रस्तुतीकरण करें। प्रत्येक प्रस्तुतीकरणों का समन्वयन करें। महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

समयः 15 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को एच०आई०वी०/एड्स के प्रति सामुदायिक प्रतिउत्तर सशक्तिकरण, स्वामित्व तथा व्यवहार परिवर्तन की निरन्तरता के विचारधाराओं की समझ होना।

4.00 बजे अपराह्न अल्पावकाश

4.15 बजे अपराह्न सक्षम वातावरण का निर्माण

"समर्थ वातावरण" को परिभाषित करें।

अभ्यास 9ः MSM और यौन स्वास्थ्य प्रचार के लिये समर्थ वातावरण का निर्माण कौन करेगा?

समूहों में प्रतिभागियों को समर्थ वातावरण निम्नलिखित के परिप्रेक्ष्य में चिन्हित करने को कहें।

- भौतिक
- मानसिक
- मनोवैज्ञानिक
- सामाजिक

प्रतिभागियों से पूछें कि इस प्रक्रिया को प्रारम्भ करने के लिये क्या कदम लिये जाते हैं।

समयः 15 मिनट

समूहों को एकत्र करें और प्रत्येक समूह से अपना प्रस्तुतीकरण देने को कहें। उत्पन्न हो रहे बिन्दुओं पर चर्चा करें। महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट कर लें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक माँगें।

समयः 15 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को MSM के लिये यौन स्वास्थ्य प्रचार के परिप्रेक्ष्य में समर्थ वातावरण की विचारधारा की समझ होना।

4.45 बजे परियोजना विकसित करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

- परियोजना विकास चक्र पर चर्चा करें तथा उस चक्र में हम कहाँ खड़े हैं?
- प्रतिउत्तर के लिये संगठन ढाँचे को विकसित करना

समयः 30 मिनट

5.15 परियोजना के लक्ष्य और उद्देश्य को विकसित करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

MSM यौन स्वास्थ्य प्रचार परियोजना के परिप्रेक्ष्य में लक्ष्य और उद्देश्य परिभाषित करें।

प्रतिभागियों को सूचित करें कि समूह अब पूर्व चिन्हित विचारणीय बिन्दुओं और आवश्यकताओं के सम्बन्ध में परियोजना निर्माण करेगा। आगे की कार्यशाला इस पर केन्द्रित होगी।

अभ्यास 10ः परियोजना लक्ष्य और उद्देश्य का उत्पादन

प्रतिभागियों को समूहों में विभाजित करें, तथा प्रत्येक समूह को लक्ष्यों और उद्देश्यों के शीर्षकों के अधीन वक्तव्य तैयार करने को कहें।

समयः 15 मिनट

समूहों को एकत्रित करें तथा प्रत्येक समूह को प्रस्तुतिकरण करने को कहें।
सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सूचीबद्ध करें, पुनरावलोकन करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक माँगें।

समयः 30 मिनट

द्वितीय चरणः MSM यौनिक स्वास्थ्य परियोजना का क्रियान्वयन

उद्देश्य

प्रतिभागियों को परियोजना विकास की प्रक्रिया प्रारम्भ करने तथा परियोजना के उद्देश्यों और लक्ष्यों को साफ-साफ तौर पर परिभाषित करने के लिये सक्षम करना।

6 बजे सायं समापन

सभी प्रतिभागियों को खड़े होकर कुछ व्यायाम, तनन-पसरन करने को कहें या करवायें।

समापन पर कुछ वाक्य दिन की समस्या के सम्बन्ध में कहें तथा हर एक ने जिन चुनौतियों का सामना किया है। प्रतिभागियों तथा उनके साथ में बिताये गये समय के सम्बन्ध में मजाकिया तौर पर कुछ सकारात्मक टिप्पणियाँ करें।

सभी प्रतिभागियों को अगले दिन की सम्बद्धता के सम्बन्ध में याद दिलायें और साथ ही साथ प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता और अन्य भत्तों का भुगतान करके उनके नामों के सामने चिन्हित कर दें।

दूसरा दिनः परियोजना विकास-1

प्रातः 9 बजेः स्वागत एवं वातावरण निर्माण

जब प्रतिभागी कार्यशाला स्थल पर पहुँचे तो यह सुनिश्चित कर लें कि उनके पास नाम-पट्टिका, लिखने के लिए पैड तथा पेन हो, तथा उनके प्रतिदिन भरने वाले पंजीकरण प्रपत्र को भी पूरा कर दें।

विषय-वार्ता की शुरूआत (Ice-breaker)

प्रतिभागियों से पिछली रात को किया गया सबसे अच्छे कार्य के बारे में पूछिये, यह मजाकिया तौर पर किया जाना चाहिए। सुविधाकर्ता को भी इसका उत्तर देना चाहिए।

समयः 15 मिनट

प्रातः 9.15ः पहले दिन की कार्यवाही के आधार पर फीडबैक

सामूहिक चर्चा

प्रतिभागियों से पहले दिन के बारे में अपनी टिप्पणी देने को कहें। उन्होंने क्या सीखा और यदि उनके कोई सवाल हैं तो वह पूछें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

यह सुनिश्चित करना कि प्रतिभागियों ने पहले दिन की कार्यवाही से अर्जित ज्ञान को संजोए रखा है तथा उठाये गये मुद्दों पर उन्होंने अपनी समझ स्पष्ट बना ली है।

प्रातः 9.45 बजेः उद्देश्य, लक्ष्य क्रियान्वयन तथा सूचकांक का विकास करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

प्रतिभागियों को समझाना कि समूह सामूदायिक आधारित परियोजना, जो कि पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों के यौन स्वास्थ्य को बढ़ावा दे, का ढ़ाँचा विकसित कर रहा है।

डोनर फंडिंग (आर्थिक सहायता) सुनिश्चित करने के लिए परियोजना में कुछ विशेष कार्य होने आवश्यक हैं। यह कार्यशाला अगले चार दिनों में इनका विश्लेषण करेगी।

परियोजना का लक्ष्य एवं उद्देश्य स्पष्ट करने के उपरान्त, कार्यशाला समूह को यह तय करना होगा कि वह विशेषकर क्या प्राप्त करना चाहता है तथा इसको वह किस प्रकार से प्राप्त कर दिखाएगा।

उद्देश्य, लक्ष्य क्रियान्वयन एवं सूचकांक स्पष्ट करेंः

समयः 15 मिनट

अभ्यास-11 उद्देश्य, लक्ष्य क्रियान्वयन एवं सूचकांक का विकास करना

समूह में प्रतिभागियों को इन शब्दों को पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध स्थापित करने वाले पुरूषों के यौन स्वास्थ्य प्रर्वधन कार्यक्रमों के तहत स्पष्ट करने को कहें।

समयः 30 मिनट

तदोपरांत हर समूह को अपनी परिभाषा रखने का मौका दें। सभी प्रतिभागियों के फीडबैक आंकड़ों को इस्तेमाल करते हुये सभी की सहमति के साथ एक परिभाषा विकसित करें तथा इसे एक फ्लीप चार्ट पेपर में लिख लें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के विकास लिए अपने उद्देश्य, लक्ष्य क्रियान्वयन एवं सूचकांक बनाने में समर्थ करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

लक्ष्यः

वह परिणाम जो आपका लक्ष्य है-आपकी गतिविधियों का नतीजा। लक्ष्य तरीकों या गतिविधियों की व्याख्या नहीं करता है।

इस तरह के वाक्य खण्डों का इस्तेमाल ना करें जैसे कि “यह प्रदान करने के लिऐं;” “यह बनाने के लिऐं;” “स्थापित करने के लिऐं;”।

इन सभी तरीकों को चिन्हित करते हैं।

इसके बजाय वाक्य में पहल इन वाक्य खण्डों से करें जैसे कि “यह बढ़ानें;” “यह घटानें.;” या “यह कम करनें.;”

लक्ष्य क्रियान्वयन हमारे लक्ष्य को विस्तृत कर यह बताता है कि यह परियोजना किस स्तर तक बदलाव को बढ़ावा देगी तथा इसे करने में कितना समय लगेगा।

आपको व्यवहारिक होना होगा और सत्यता स्वीकारनी होगी। हम इन लक्ष्यों को समय सीमा के अन्दर पाने के समर्थ होने चाहिए।

सूचकांक

सूचकांक वह नाप हैं जिन्हें हम इस्तेमाल करके यह चिन्हित करेंगे कि हमारे चयनित बदलाव हो रहे हैं कि नहीं। ये हमें बताते हैं कि हम अपने लक्ष्य को पाने में कितने आगे बढ़ रहे हैं।

यह सुनिश्चित करें कि लक्ष्य एवं लक्ष्य क्रियान्वयन में बदलाव के प्रति स्पष्ट समझ हो। वे यह दर्शायें कि लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिये प्रगतिशीलता बनायी जा रही है।

लक्ष्य एवं लक्ष्य क्रियान्वयन स्पष्ट रूप से चयनित लाभकर्ता का वर्णन करें। लक्ष्य क्रियान्वयन तक पहुँचे कि नहीं, यह भी नापना सम्भव होना चाहिए।

साथ ही इनके बीच का फर्क याद रखेंः

"यौन संक्रमण के स्तरों को घटाना"

तथा "यौन संक्रमणों/एच०आई०वी० संक्रमण के खतरे को घटाना"

इन दोनों में अलग तरह के सूचकांक की जरूरत होगी। फिर भी दोनों ही में परियोजना का क्रियान्वयन होने के पहले से ही एक बुनियादी अध्ययन की जरूरत है। इसलिए खतरे एवं जरूरतों के आंकलन की जरूरत है।

उदाहरण-१

उद्देश्य	MSM में यौन संक्रमण/एच०आई०वी० संक्रमण के खतरे को कम करना
लक्ष्य	सार्वजनिक यौन वातावरण में MSM के बीच कॉन्डम के इस्तेमाल को बढ़ाना (विशिष्टता पर गौर करें)
लक्ष्य क्रियान्वयन	MSM में कॉन्डोम की माँग को पहले साल में 40% बढ़ाना
सूचकांक	1. कॉन्डोम वितरण में वृद्धि
	2. यौन संक्रमण के स्तर को कम करना
	3. एच०आई०वी०/यौन संक्रमणों पर ज्ञानवर्धन
	4. स्वास्थ्य पर असर करने वाले व्यवहार में बदलाव, कॉन्डोम इस्तेमाल या यौन पार्टनर के प्रति रवैय्या।
	5. MSM और उनके यौन साथियों (जिनमें उनकी पत्नी/महिला साथी सम्मिलित हों) के द्वारा यौन संक्रमण चिकित्सा में वृद्धि
	6. कन्डोम के सही इस्तेमाल पर जानकारी

उदाहरण-२

उद्देश्य	पुरूष सेक्स वर्कर्स एवं उनके क्लाइन्ट्स (ग्राहकों) में यौन संक्रमण तथा एच०आई०वी० के प्रसार के खतरे को कम करना
लक्ष्य	1. पुरूष सेक्स वर्कर्स एवं उनके क्लाइन्ट्स (ग्राहकों) में यौन- संक्रमण/एच०आई०वी० के प्रति जागरूकता को बढ़ाना
	2. पुरूष सेक्स वर्कर्स एवं उनके क्लाइन्ट्स (ग्राहकों) में कॉन्डोम के इस्तेमाल में वृद्धि।
	3. यौन संक्रमण सुविधाओं तक पहुँच बढ़ाना

लक्ष्य क्रियान्वयनः लक्ष्य-1

पहले साल के अन्त तक पुरूष सेक्स वर्कर्स एवं उनके क्लाइन्ट्स (ग्राहकों) में यौन-संक्रमण/एच०आई०वी० के सटीक ज्ञान में 40% वृद्धि लाना।

लक्ष्य-2

पहले साल के अन्त तक पुरूष सेक्स वर्कर्स एवं उनके क्लाइन्ट्स (ग्राहकों) में कॉन्डम के नियमित इस्तेमाल में 50% वृद्धि लाना

लक्ष्य-3

पहले साल के अन्त तक पुरूष सेक्स वर्कर्स एवं उनके क्लाइन्ट्स (ग्राहकों) में यौन-संक्रमण चिकित्सा में 50% वृद्धि करना।

एक लक्ष्य पूर्ण कराने हेतु उस पर हुयी प्रगति नापने के लिए सूचकांक बनाने की आवश्यकता हो सकती है।

सूचकांक प्रभावी और पूर्ण करने योग्य है, यह सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त सूचना का होना आवश्यक है।

उदाहरण के तौर पर, कॉन्डोम के लिए सूचकांक

1. परियोजना से पहले कितने कॉन्डम इस्तेमाल हो रहे हैं?
2. परियोजना में निश्चित अवधि के दौरान जिसे कि नियमित समयान्तराल पर नापा गया है, में कितने कॉन्डम बाँटे गये हैं/इस्तेमाल हुए हैं?
3. परियोजना की शुरूआत में यौन संक्रमण स्तर
4. नियमित समयान्तराल पर नापे गये यौन संक्रमण स्तर
5. परियोजना से पहले यौन संक्रमण क्लीनिक्स् तक पहुँच
6. नियमित समयान्तराल पर यौन संक्रमण क्लीनिक्स् पर पहुँच को नापना।

केन्द्रित समूहों, प्रश्नावली एवं साक्षात्कार के माध्यम से आँकलन किया जा सकता है।

नोटः यदि हमारा लक्ष्य एच०आई०वी० प्रेषण को कम करना है तो हमारे सूचकांक को प्रभावित करेगा। इस लक्ष्य के लिए हमें एच०आई०वी० स्तर का ज्ञान परियोजना क्रियान्वयन से पहले और परियोजना क्रियान्वयन के बाद दोनों समय अवधि में होना चाहिए। इसके लिए हमें एच०आई०वी० एन्टीबॉडी परीक्षण करना पड़ेगा।

यदि हम कहें कि "यौन संक्रमण/एच०आई०वी० के खतरे को कम करना" तो सूचकांक कॉन्डोम इस्तेमाल, भेदन न करने वाला यौन सम्बन्ध, यौन संक्रमण की चिकित्सा तक पहुँच तथा यौन साथी (जिसमें पत्नियाँ भी सम्मिलित हैं) को यौन संक्रमण की चिकित्सा तक पहुँचाने के लिए प्रोत्साहित करना ताकि पार्टनर में दोबारा संक्रमण न हो। इसके लिए हमें चिकित्सा-अनुवर्तन सूचकांक की जरूरत होगी।

प्रातः 11.00 अवकाश

प्रातः 11.15 निर्गत और परिणाम

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

निर्गत और परिणाम की परिभाषा।

सम्भावित परिणामों के नक्शे दिखायें।

अलग-अलग परिणामों एवं इनके कारणों पर बात करें। यह बात करें कि यह रणनीति तथा गतिविधियाँ पर्याप्त परिणामों के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। सदस्यों की फीडबैक लेना सुनिश्चित करें तथा सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट करें।

समयः 45 मिनट

उद्‌देश्य

सदस्यों को समझा पाना कि सिर्फ समुदाय आधारित संगठन की जाँच-पड़ताल करना ही काफी नहीं है। अपेक्षित निर्गत और परिणामों की स्पष्ट समझ होना जरूरी है ताकि वांछित लक्ष्य एवं प्रयोजनों को प्राप्त किया जा सके।

दोपहर 12.00 बजे यौन स्वास्थ्य वर्द्धन रणनीति

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

सदस्यों की पहली दिन हुई चर्चा को याद करने को कहे और अपने नोट्स को दोबारा देखने को कहे। सुविधाकर्ता भी चार्ट पेपर पर उस भाग के नोट्स को भी देख सकता है जिसमें उसने पहले दिन से बदलते व्यवहार/स्वभाव के बारे में ही लिखा है।

खतरे को कम करने की रणनीति की परिभाषित कीजिये

लक्ष्य, उद्‌देश्य तथा लक्ष्य क्रियान्वयन तथा सूचकांक को विकसित करने के बाद हम इस भाग में वह रणनीति ढूँढ़ने की कोशिश करेंगे जो कि इस परियोजना में खतरे को कम करने के विषय पर कार्य करें।

सदस्यों से बात-चीत करें कि व्यवहार में बदलाव कैसे तथा क्यों समर्थ होता है।

सदस्यों तथा सुविधाकर्ता के नोट्स को नीचे रखकर व्यवहार के नक्शे का पुनःनिरीक्षण करे।

सदस्यों से फीडबैक माँगे तथा सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को नोट करें।

समयः 40 मिनट

अभ्यासः 12 व्यवहार बदलाव को प्रोत्साहन देना

समूहों में सदस्यों को पहले हुई बात-चीत का पुनःनिरीक्षण करने को कहें तथा अपने नेटवर्क में MSM गतिविधियों के प्रभाव पर भी चर्चा करने को कहें।

उन्हें बुलेटिन पर बिन्दुओं के प्रारूप में उन कदमों को लिखने को कहें जो कि उनके अनुसार व्यवहार में बदलाव में प्रोत्साहन तथा एच०आई०वी०/एड्स संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए उनके अनुसार आवश्यक है।

इसके बाद हर समूह से कहे कि वह फील्ड की परिस्थिति को नाटकीय अन्दाज में दर्शा कर उनके एक या ज्यादा कदमों के बारे में अभिनय करके दिखायें। यह नाटक दस मिनट से ज्यादा लम्बा नहीं होना चाहिए।

समयः 20 मिनट

दोपहर 1.00 बजे भोजनावकाश

दोपहर 2.00 बजे रणनीति-जारी

अभ्यासः 12 जारी

हर समूह अपना नाटक का अभिनय करके दिखाता है। इसके बाद एक उत्तर-प्रत्योत्तर सत्र शुरू होता है, जिसमें नाटक क्या कहना चाहता है तथा इस नाटक में अभिनित विधि अपना उद्देश्यः व्यवहार में बदलाव पाने में समर्थ है या नहीं।

समयः 40 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के उस ढाँचे के बारे में समझाना है जिससे यौन स्वास्थ्यवर्द्धन हो।

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

खतरा एवं खतरे को आँक कर जो सूचना मिलती है उसके अनुरूप ही परियोजना का क्रियान्वयन होगा एवं लाभार्थी चयनित होंगे।

इस सूचना में निम्नलिखित सम्मिलित हैंः

लाभार्थी

- संख्या
- स्थान
- स्वभाव एवं खतरा
- शैक्षिक स्तर
- आर्थिक स्तर
- यौन संक्रमण/एच०आई०वी० का सामयिक ज्ञान
- यौन संक्रमण चिकित्सा सुविधाओं का वर्तमान में उपयोग
- कॉन्डोम का वर्तमान में उपयोग
- वे सूचनायें ग्रहण कैसे करते हैं?

सामाजिक वातावरण

- सांस्कृतिक/धार्मिक विश्वास और रीतियाँ

- यौन व्यवहार आचरण
- शादी तथा महिला साथी
- कानूनी ढाँचा
- दुर्व्यवहार एवं प्रताड़ना का स्तर
- सामाजिक नेटवर्क
- परिवार
- यौन नेटवर्क

भौतिक वातावरण

- सम्भावित परियोजना स्थल
- संचार सुविधा
- मौसमी घटक और त्यौहार

सुविधायें

- यौन संक्रमण सुविधाओं का स्थान, गुणवत्ता और पहुँच
- सामग्री का प्रयोजन

  कॉन्डोम (गुणवत्ता, संख्या तथा योग्यता)
  चिकनाई

- मानव संसाधन
- महिला प्रजनन स्वास्थ्य सुविधायें

यह सूचना, पर्याप्त एवं पहुँचने योग्य MSM यौन स्वास्थ्य को विकसित करने हेतु ढाँचा प्रदान करती हैं।

इनसे उदाहरणों का इस्तेमाल करेंः

1. धूम्रपान-निषेध/मदिरा निषेध अभियान
   क्या वे कार्य कर पाते हैं? यदि नहीं तो क्यों नहीं?

2. धार्मिक घोषणायें (हिन्दू/मुस्लिम)
   क्या वे व्यवहार बदलने में समर्थ हैं? यदि नहीं तो क्यों नहीं?

MSM के सम्बन्ध में लज्जा, अदृश्यता और कलंक के विषयों पर भी अनुसंधान करना सुनिश्चित करें।

क्या सिर्फ डर से व्यवहार में बदलाव आ जाता है?

क्या शर्म व्यवहार पर विराम और/या व्यवहार में बदलाव ला देती है?

याद रहे एड्स का कोई इलाज नहीं है और एच०आई०वी० का कोई टीका नहीं है। इसलिए व्यवहार बदलाव ताकि यौन संक्रमण/एच०आई०वी० प्रेषण में खतरों को कम किया जा सके, के विषय में लम्बे अन्तराल में होने वाले प्रभावों पर सोचना होगा। दूसरे शब्दों में, व्यवहार में बदलाव को निरन्तर बनाये रखना होगा, कॉन्डोम जिन्दगी भर के लिए है।

नाटक के द्वारा सदस्यों के अलग-अलग विचारों को विशेषता से उभारें।

आप निम्नलिखित विषयों पर अनुसंधान करना चाहेंः

- हम यह कैसे सुनिश्चित कर सकते हैं कि कॉन्डोम का इस्तेमाल हो रहा है?
- महिला साथी तथा साथी अधिसूचना के बारे में क्या ख्याल है?
- हम भेदन करवाने वाले साथी को कैसे सशक्त कर सकते हैं?
- कौन इन्हें शिक्षा देगा और कैसे?
- MSM में यौन संक्रमण चिकित्सा सुविधाओं का कितना प्रयोजन है?
- कॉन्डोम और चिकनाई का वितरण कैसे किया जा सकता है? मुफ्त बाँटना? सामाजिक बिक्री? दोनों में क्या फर्क है?

दोपहर 2.40 समुदाय निर्माण

नेटवर्क तथा समुदाय की परिभाषा बतायें।

जिस चयनित शहर में वर्कशाप हो रही है वहाँ पर MSM के सम्बन्ध में समुदाय निर्माण का क्या अर्थ है? क्या ऐसा समुदाय विद्यमान है या फिर सिर्फ सामाजिक नेटवर्क है।

अभ्यासः 13 MSM समुदाय को विकसित करने के लिए क्या करना होगा

समूह में बुलेटिन बिन्दु की तरह समूह के विचार लिखें कि शहर में MSM समुदाय का निर्माण करने के लिए क्या करना होगा?

समयः 20 मिनट

तदोपरांत हर समूह को अपने विचार प्रस्तुत करने को कहें। इन विचारों पर चर्चा करें तथा एक संकलन तैयार करें। फीडबैक माँगें तथा महत्वपूर्ण बिन्दु पर नोट्स बनायें।

समयः 20 मिनट

दोपहर 3.20 सामुदायिक गतिशीलता

समुदाय गतिशीलता की परिभाषा दें तथा बतायें कि शहर में MSM में स्वभाव बदलाव जो कि निरन्तर बना रहे विकसित करना क्यों आवश्यक है?

अभ्यास 14ः समुदाय गतिशीलता की प्राप्ति किस प्रकार की जा सकती है?

समूह में बुलेटिन बिन्दु की तरह नोट करें कि इस उभरते समुदाय को सुरक्षित यौन आचरण हेतु गतिशील करने के लिये क्या करना होगा?

समयः 20 मिनट

तदोपरांत हर समूह को अपने विचार प्रस्तुत करने को कहें। इन विचारों पर चर्चा करें तथा एक संकलन तैयार करें। फीडबैक माँगे तथा महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर नोट्स तैयार बनायें।

उद्देश्य

प्रतिभागियों को यह समझाना कि यौन स्वास्थ्य एवं सुरक्षित यौन सम्बन्ध किसी अकेले व्यक्ति के आचरण या स्वभाव से ही सम्बन्धित नहीं है किन्तु यह एक सामाजिक/सामुदायिक गतिविधि है।

दोपहर 4.00 बजे अल्पावकाश

दोपहर 4.15 पर MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के आन्तरिक भाग

अभ्यास 15ः MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के कोर अंग क्या होंगे?

समूह में प्रतिभागियों से अब तक हुयी सभी चर्चा का पुनःनिरीक्षण करने को कहें तथा उनके अनुसार MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के आन्तरिक अंगों को बुलेटिन के बिन्दु के प्रारूप में लिखने को कहें।

समयः 30 मिनट

सभी समूहों को इकट्ठा करें तथा हर समूह को अपनी सूची तैयार करने को कहें। साथ ही संकलन तैयार करें जिससे प्रतिभागी की फीडबैक भी हो। यह स्पष्ट करें कि यह सूची इस परियोजना में दी जाने वाली सुविधायें होंगी।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को इतना सक्षम बनाना कि वे उचित सेवाओं के लिये अपनी खुद कि एक सूची को तैयार कर लें, जिससे कि MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना को अपने शहर में और परियोजना मॉडल को शामिल कर सकें।

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

सुविधाओं की परिभाषा

- शिक्षा
- बचाव
- पहुँच
- सामाजिक सहायता
- स्वास्थ्य

प्रतिभागियों से चर्चा कर फीडबैक लें।

क्या? कैसे? कहाँ? कब?

परियोजना मॉडल दिखायें तथा बनायी गयी सूची के साथ उसकी तुलना करें। प्रतिभागियों का फीडबैक माँगें तथा आवश्यकतानुसार सूची में बदलाव करें। सुविधाओं को तीन अलग-अलग सूची में बाँटेंः

- केन्द्र
- फील्ड

- स्वास्थ्य

अपनी अन्तिम टिप्पणी दें।

समयः 45 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को शहर में MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के लिए आवश्यक पर्याप्त सुविधाओं की अपनी सूची बनाना तथा परियोजना मॉडल को समझने में समर्थ करना।

शाम 6:00 बजे समापन

सभी प्रतिभागियों को खड़े होने को कहें और कुछ शारीरिक व्यायाम (तनन-पसरन) करवाइये।

दिन भर की प्रक्रिया में जो दिक्कतें आयी, सभी के समक्ष जो चुनौतियाँ खड़ी हुयी, उनका गहराई से विवेचन करते हुये अपनी समापन टिप्पणी के रूप में चंद बातें प्रतिभागियों से बाँटे कीजिये और, साथ-साथ, प्रतिभागियों के विषय में आपकी सकारात्मक टिप्पणी भी काफी महत्वपूर्ण होगी।

समापन से पहले, एक बार प्रतिभागियों को अगले दिन के कार्यक्रम के लिये समय से उपस्थित होने के लिए याद दिलायें।

इसी समय उन्हें दिन का किराया-खर्च भी दे दीजिये। लगे हाथ, रजिस्ट्रेशन फार्म पर दर्ज पैसे की रिसीट पर उनके हस्ताक्षर लेना न भूलिये।

तीसरा दिनः परियोजना विकास-2

प्रातः 9:00 बजेः स्वागत एवं वातावरण निर्माण

कार्यशाला स्थल में प्रतिभागियों के पहुँचते ही दैनिक रजिस्ट्रेशन फार्म पर उनके हस्ताक्षर ले लीजिये और यह भी सुनिश्चित कर लीजिये कि सभी के पास उनके पैड, पेन और नेमटैग सुरक्षित हैं।

विषय-वार्ता की शुरूआत (Ice-breaker)

प्रतिभागियों से पिछली रात को किया गया सबसे अच्छा कार्य पूछें। यह मजाकिया तौर पर किया जाना चाहिए। सुविधाकर्ता को भी इसका उत्तर देना चाहिए।

समयः 15 मिनट

प्रातः 9:15 दूसरे दिन की कार्यवाही से फीडबैक

सामूहिक चर्चा

प्रतिभागियों को अपने दूसरे दिन के बारे में अपनी टिप्पणी देने को कहें। प्रतिभागी बतायें कि उन्होंने क्या सीखा और यदि उनके कोई सवाल हैं तो वह पूछें।

समयः 30 मिनट

प्रातः 9:45 सहायक सेवाओं का विकास करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

सहायता
प्रतिभागियों को सहायक सेवाओं का अर्थ स्पष्ट करवायें
सहायता किसके लिए? क्यों?

समर्थ वातावरण बनाने के लिए प्रतिभागियों को याद कराये कि यौन स्वास्थ्य में मनोवैज्ञानिक, मानसिक तथा सामाजिक तथ्य सम्मिलित हैं।

पहले बनायी गयी सूची का पुनःनिरीक्षण करें।

विशिष्ट यौन स्थानों (Cruising sites) और सामाजिक स्थानों जैसे कि ड्रॉप-इन-सेंटर के बारे में स्पष्ट करें। प्रभावी शिक्षा एवं सहायक सेवा के संचालन की संभावना एक विशि ट यौन स्थान में और दूसरा सामाजिक स्थान में क्या है? इनकी आपस में तुलना करें।

प्रतिभागियों के साथ सामाजिक मेल-जोल तथा समुदाय निर्माण क्रिया पर चर्चा करें। फीडबैक लेते हुए बात-चीत के दौरान महत्वपूर्ण बिन्दुओं को लिखें।

- एडवोकेसी (पैरोकारी/वकालत)
- एडवोकेसी की निम्नलिखित के सम्बन्ध में परिभाषा देंः
- व्यक्तिगत

- सामाजिक
- कानूनी
- पहुँच तथा पर्याप्तता

सुविधाओं को विकसित करने के सम्बन्ध में पहुँच तथा पर्याप्तता जैसे शब्दों का अर्थ स्पष्ट करें।

समयः 30 मिनट

अभ्यासः 16 सहायक सेवाओं और ऐडवोकेसी का विकास करना

तीन समूह बनाकर प्रत्येक दशा पर निम्नलिखित चर्चा करेंः

- माता-पिता/पत्नी/परिवार को पता चलता है कि आप दूसरे पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध बनाते हैं।
  - इसके क्या परिणाम हो सकते हैं?
  - उस इन्सान की क्या जरूरतें होंगी?
- आपको पार्क में पीटा गया है तथा आपको लूटा गया है
  - एक गुण्डे ने
  - एक पुलिस वाले ने

  आपकी क्या जरूरतें होंगी?
- आपको यौन संक्रमण है तथा फील्ड वर्कर ने यह जताया है कि आपका तुरन्त इलाज होना चाहिए। आप शादी-शुदा हैं तथा आपको यह भी कहा गया है कि आपको अपनी पत्नी को बताना है तथा उसका भी इलाज होना है।
  - इसके क्या परिणाम हो सकते हैं?
  - आपकी क्या जरूरतें हैं?
  - आपकी पत्नी की क्या जरूरतें होंगी?
  - आपकी सामाजिक, भावनात्मक तथा कानूनी क्या आवश्यकतायें होंगी?

इन दशाओं पर चर्चा करने के उपरान्त, इस पर बात-चीत करें कि परियोजना कैसे और क्या सुविधायें प्रदान करेंगी?

बुलेटिन बिन्दु की तरह सूचीबद्ध करें।

समयः 20 मिनट

इसके उपरान्त दोनों समूहों को इकट्ठा करें तथा प्रत्येक समूह से अपना प्रस्तुतीकरण करने के लिए कहें। प्रत्येक प्रस्तुतीकरण का समालोचन करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक माँगें। उपयुक्त चिन्हित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक सुविधाओं की संक्षिप्त में सूची बनायें।

समयः 25 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों की आवश्यकताओं के सम्बन्ध में एडवोकेसी व सहायता के विषयों को समझने में समर्थ करना।

प्रातः 11:00 अल्पावकाश

11:15 गतिविधियों को चिन्हित करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

बनाये गये लक्ष्यों, लक्ष्य-क्रियान्वयन तथा सूचकांक का संक्षेप में पुनरावलोकन प्रदान करें। प्रतिभागियों के व्यवहार में बदलाव का वर्द्धन करने तथा समर्थ वातावरण बनाने में रणनीति में पहले हुई चर्चा की याद दिलायें। यह भी बतायें कि पहले की चर्चायें रणनीति चिन्हित करने के लिए थी। समूह को अब गतिविधियों को ढूँढने की जरूरत है।

परियोजना खाके (Model) की आकृति दोबारा दिखायेंः

- फील्ड सुविधायें
- केन्द्रीय सुविधायें
- स्वास्थ्य सुविधायें

रणनीति में सम्मिलित हैः

- कॉन्डोम प्रवर्द्धन (Condom Promotion)
- सुरक्षित यौन प्रवर्द्धन
- यौन संक्रमण की शीघ्र चिकित्सा
- MSM यौन साथी (जिसमें पत्नियाँ/महिलायें सम्मिलित हैं) की यौन संक्रमण चिकित्सा
- समुदाय निर्माण
- समुदायिक गतिशीलता

समयः 30 मिनट

अभ्यास 17ः ये रणनीतियाँ किस प्रकार क्रियान्वित होंगी? इनका क्रियान्वयन कौन करेगा?

समूह में प्रतिभागियों को उपर्युक्त रणनीति पर सोच-विचार करें और चर्चा करके गतिविधियों की सूची तैयार करें जो कि इनका क्रियान्वयन करेगी। उन्हें आपकी चर्चा में पर्याप्तता, पहुँच तथा सहायता के विषयों में बात-चीत करनी है, इस पर चर्चा होनी चाहिए कि यह गतिविधियाँ कहाँ पर होंगी।

प्रतिभागियों को इस बात पर भी चर्चा करनी होगी कि यह गतिविधियाँ कौन संचालित करेगा और उनमें क्या प्रवीणता होनी चाहिए।

समूह एक खाका तैयार करता हैः लक्ष्य, रणनीति, गतिविधयाँ

समयः 40 मिनट

इसके बाद हर समूह अपनी चर्चा के परिणाम प्रस्तुत करता है। इस प्रकार एक संकलन तैयार होता है।

अच्छे और बुरे भागों को चिन्हित करें। सभी बिन्दु का पुनरावलोकन करें तथा फीडबैक माँगें।

चर्चा करेंः

- हर सुविधा में क्या सम्मिलित होगा
- कौन कार्य करेगा?
- कार्य किस तरह से होगा?
- क्रियान्वयन समय-सारणी को विकसित करें
- कर्मचारियों की आवश्यकता

समयः 35 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों से उन योग्य गतिविधियों की सूची तैयार करवायें जिससे हम अपना लक्ष्य पा सकें।

सुविधाप्रदानकर्ता का प्रस्तुतीकरण

रणनीति और गतिविधियों के उदाहरण

लक्ष्य	पुरूष सेक्स कार्यकर्ताओं तथा उनके शार्गिदों (Clients) में यौन संक्रमण/एच०आई०वी० प्रेषण के खतरे को कम करना
उद्देश्य	पुरूष सेक्स कार्यकर्ताओं तथा उनके शार्गिदों में कॉन्डोम प्रयोजन में वृद्धि करना।
रणनीति	सार्वजनिक यौन वातावरण में कॉन्डोम की उपलब्धता को बढ़ाना
गतिविधियाँ	आऊटरीच कार्यकर्ताओं तथा फील्ड में दोस्तों (Site Buddy) का इस्तेमाल कर सार्वजनिक स्थानों पर कॉन्डोम वितरण, पुरूष-पुरूष सेक्स कार्यकर्ताओं तथा उनके शार्गिदों को कॉन्डोम इस्तेमाल पर शिक्षित करना तथा यौन संक्रमणों/एच०आई०वी०/एड्स पर जागरूकता बढ़ाना।

यह पहले के ज्ञान, आदतों एवं व्यवहार पर आधारित है। जिसका ज्ञान हमें खतरा तथा आवश्यकता आंकलन द्वारा पहले से ही प्राप्त है।

यदि यह पहले ही नहीं किया गया तो रणनीति के तहत पहले खतरा एवं आवश्यकता आंकलन सम्मिलित होगा और उसके बाद योग्य रणनीति बनायी जायेगी।

एक लक्ष्य पाने के लिए कई रणनीतियाँ चिन्हित की जा सकती हैं। हर रणनीति दूसरे को सहारा दे ताकि लक्ष्य को पाने की सम्भावनाऐं बढ़ जायें।

उदाहरण के तौर पर सिर्फ कॉन्डोम बाँटने के साथ ही हम यह भी कर सकते हैंः

- सामाजिक सहायता समूह

- यौन संक्रमण क्लीनिक्स्
- सशक्तिकरण एवं आत्म सम्मान के कार्यक्रम
- शिक्षण सामग्री का वितरण करना
- शिक्षण सामग्री का विकसित करना

गतिविधियाँ

इन्हें विस्तृत शब्दों में कहा गया है। जैसे-जैसे विस्तार में योजना विकसित होगी, प्रत्येक गतिविधि को अलग बनाने की आवश्यकता होगी।

उदाहरणः

फील्ड कार्यकर्ताओं को चुनकर उन्हें प्रशिक्षण देने में, इसे इन निम्नलिखित भागों में बाँटने की आवश्यकता पड़ सकती हैः

- चुनाव के लिए एक मापदंड बनायें
- सम्भावित फील्ड कार्यकर्ताओं को चिन्हित करें तथा भर्ती करें
- आवश्यकता आंकलन पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करें।
- एक प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करें।
- एक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करें।
- प्रशिक्षण का अनुसरण तक प्रवीणता का पुनरावलोकन

समय-सारणी

प्रतिभागियों को यह समझाना महत्वपूर्ण है कि परियोजना में सभी कार्य एकदम शुरूआत में नहीं किये जाते हैं। अच्छी योजना के लिए प्रभावी क्रियान्वयन समय-सारणी की आवश्यकता है। इसका मतलब हुआ कि एक विशिष्ट सुविधा का विकास करने में कितना समय लगेगा इसका आंकलन करना, यह सुविधा प्रदान करने के लिए हमें किस चीज की आवश्यकता होगी तथा यह विशि ट सुविधा कब क्रियान्वित होगी।

नमूना समय-सारणी से उपरोक्त को इस्तेमाल कर दिखा सकते हैं।

कर्मचारियों का स्तर

प्रतिभागियों को कर्मचारियों के स्तर में आर्थिक सीमाओं को समझना होगा तथा हर सुविधा की व्यय क्षमता को जानना होगा। दूसरे शब्दों में कार्यक्षमता/योग्यता।

एक सुविधा को प्रदान करने में बहुत ज्यादा कर्मचाारियों का इस्तेमाल करने से परिणाम स्वरूप आर्थिक समस्याऐं सामने आ सकती हैं। जिसके अप्रभावी सुविधा तथा समस्याग्रहित परिणाम होंगे।

उदाहरणः

10 फील्ड कार्यकर्ता एक स्थान पर कार्य कर रहे हैं जहाँ कदाचित लाभार्थी जनसंख्या 200 है। इसका मतलब यह हुआ कि 20 की जनसंख्या पर 1 फील्ड कार्यकर्ता होगा। मूल्य फायदा विश्लेषण यह दर्शाता है कि निवेश और कार्यमात्रा असमतोलक है। डोनर इस तरह के कार्यक्रम को सहारा नहीं देंगे।

दोपहर 1:00 बजे मध्यावकाश

दोपहर 2:00 बजे BCC क्या है?

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

BCC का अर्थ स्पष्ट कीजिए। प्रतिभागियों को लक्ष्य, रणनीति, एवं गतिविधियों के सम्बन्ध में हुई पहले की चर्चा के बारे में याद दिलायें।

इन चर्चाओं से परियोजना निम्नलिखित का इस्तेमाल करेगीः

- समकक्ष शिक्षा और सहायता के जरिये व्यक्तिगत संप्रेक्षण

'समकक्ष' शब्द का का अर्थ समझायें अर्थात वह जो समान आयुवर्ग, पृष्टभूमि से इत्यादि...

'समकक्ष (व्यक्ति)' परिभाषित करें। यह प्रक्रिया स्थिर व्यवहारिक परिवर्तन को बढ़ावा देने हेतु अपनाये गये व्यापक तरीके का अंश है। स्वास्थ्य सेवायें, समुदाय निर्माण रणनीति, वकालत, निरोध प्रचार एवं समर्थ वातावरण के विकास के साथ व्यवहार बदलाव संप्रेक्षण को एक प्रमुख अंश के रूप में देखा जाना चाहिये।

पूर्व प्रदर्शित व्यवहार मानचित्र को संदर्भित करें।

सुविधाकर्ता को यथासम्भव व्यक्तिगत उदाहरण देना चाहिये कि व्यवहार बदलना कितना कठिन है। जैसेः धूम्रपान। समझायें कि व्यवहार में परिवर्तन करना एवं इस परिवर्तन को स्थिर करने हेतु व्यक्तिगत निवेश और पुरस्कार चाहिये। ऐसे पुरस्कारों की खोज करना और इस व्यक्तिगत निवेश को करने हेतु व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना ही चुनौती है।

व्यवहार बदलाव संप्रेषण व्यवहार परिवर्तन के सन्देश का प्रसार करना ही सम्बन्धित है।

समयः 30 मिनट

अभ्यास 18ः क्या सन्देश दिया जाना चाहिए?

समूह में, प्रतिभागियों से सोच-विचार कर बताने को कहें कि क्या सन्देश BCC का भाग होना चाहिए। उनसे कहें कि वह ऐसे सन्देशों की एक सूची बना लें तथा साथ ही कारण भी स्पष्ट करें कि उनके अनुसार यह सन्देश किस प्रकार से लोगों को अपने स्वभाव में बदलाव लाने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

समयः 20 मिनट

इसके बाद हर समूह अपना प्रस्तुतीकरण करता है। हर चिन्हित सन्देश की उत्तमता और मूल्यांकन पर चर्चा करें। क्या वह सफल होंगे? उनकी सफलता कैसे सुनिश्चित होती है? क्या यह पर्याप्त है? पहुँच है? समूह/व्यवहार को लक्षित करने के लिए अर्थपूर्ण है।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना में BCC का अर्थ तथा अभिप्राय को समझना।

सुविधाप्रदानकर्ता का प्रस्तुतीकरण

समुदाय आधारित MSM परियोजना के सम्बन्ध में, BCC में समकक्षीय ढाँचा सम्मिलित हैः

- शिक्षा जो जानकारियाँ और सूचना दें
- सहारा जो कि व्यवहार बदलाव को प्रोत्साहन दे और स्थिर रखे।

- यहाँ एक दूसरे व्यवहार बदलाव क्रिया का मानचित्रण का भी इस्तेमाल किया जा सकता हैः
- ज्ञान, के आधार पर
- अनुमोदन, के आधार पर
- संकल्प/इरादे, के आधार पर
- अभ्यास, के आधार पर
- दूसरों को बदलने के लिए एडवोकेसी

याद रहे कि व्यवहार बदलाव क्रिया स्थाई होने के लिए उसमें निम्नलिखित भाग सम्मिलित होः

- ज्ञान
- इच्छा
- दृढ़ संकल्प
- प्रवीणता/निपुणता
- सामर्थ्य

इसलिए व्यक्ति/समूह को सबसे पहले बदलाव की आवश्यकता को स्वीकृति देनी होगी तथा स्वीकार करना होगा। उन्हें मुश्किलों को चिन्हित करने की आवश्यकता है। ज्यादातर यह वे लोग तभी करते हैं जब समूह के लोग मुश्किलों को स्वीकार करने लगते हैं और इसके बारे में खुलकर चर्चा की जाती है।

एक बार एक मुश्किल चिन्हित हो जाती है तथा उसे व्यक्ति/समूह उसे अपना लेते हैं तो फिर व्यक्तिगत क्रिया की जरूरत है। यही स्वीकार्यता तथा बदलाव का आशय है।

यह स्वभाव को बदलने में पथ-प्रदर्शन करेगा। यदि यह किसी फल को या फिर व्यक्तिगत संतोष में पथ-प्रदर्शन करती है जो कि एक अच्छा अनुभव बन जाती है तो यह दूसरों में
बदलाव के लिए एडवाकेसी में पथ-प्रदर्शन करेगा।

शहर में MSM स्वभाव और पहचान के सम्बन्ध में कॉन्डोम का इस्तेमाल किसे करना चाहिए, यह आपत्तिजनक है।

BCC हेतु सन्देश

MSM स्वभावों और पहचानों के वर्ग के सम्बन्ध में, अलग-अलग व्यक्ति, समूह तथा नेटवर्क को अलग-अलग सन्देशों की जरूरत है।

सन्देश

- लोगों पर 'असर' होना चाहिये। चाहत परिवर्तन करने हेतु बुद्धिजीवी/तरीके अपर्याप्त हैं। अर्थात सन्देशों से सकारात्मक, भावनात्मक प्रतिक्रिया जागृत हो जो कि तर्कसंगत हो, जिससे स्थायित्व बन सके।
- केन्द्रीय और सरल होना चाहिये।
- विभिन्न प्रसंगों द्वारा एक ही बिन्दु के बारे में बताने से ध्यान विचलित होता है।
- व्यक्तिगत लाभ परिलक्षित हो क्योंकि लोगों को व्यवहार बदलने हेतु प्रबल कारण चाहिये।
- विश्वास जागृत करें-यह सन्देश लोग स्वयं अपनी इच्छा से कार्य करेंगे। उन श्रोतों से आना चाहिये जिस पर वे विश्वास करते हैं।
- कार्यवाही का आह्वान करे ताकि सन्देश प्राप्त होने के बाद लोगों को स्पष्ट पता होता है कि उन्हें क्या करना है, कैसे करना है, क्या क्रय करना है-कहाँ, कैसे, क्या, कब?
- पुनरावृत्ति-सन्देश की निरन्तर पुष्टि करें।

लोगों को कोई भी शिक्षण सामग्री विकसित करने से पहले प्रश्न जरूरी पूछे जाने चाहिएः

- शिक्षण ढाँचा कितना योग्य है?
- वह किस भाषा में है?
- क्या शब्द एवं चित्रों को इस्तेमाल किया गया है?
- क्या है सांस्कृतिक ढाँचे तथा पहुँच के सम्बन्ध में पर्याप्त है।
- ऐजेंडा कौन नियन्त्रित करता है?
- सूचना कौन लाता है?
- सूचना कौन प्राप्त करता है?
- सूचना कौन पहुँचाता है?
- यह सूचना कैसे पहुँचायी जाती है?
- क्या हम सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील एवं सांस्कृतिक रूप से उचित में अन्तर कर सकते हैं?
- क्या ऐसी सुविधायें विद्यमान हैं जो कि इस सूचना से उत्पन्न हुई वांछित आवश्यकताओं को पूरा कर सकें?
- यह सुविधायें कौन देता है?
- वे क्या देते हैं?
- वे सुविधायें कैसे देते हैं?
- वे कितनी योग्य हैं?
- उनमें क्या प्रवीणता है?
- उन्हें क्या सन्देश दिये जा रहे हैं?
- यह न करें!
- सुरक्षित तरीके से करें!
- इसका लक्ष्य क्या है?
    - सूचित करना?
    - स्वभाव में बदलाव लाना?
    - एच०आई०वी० प्रेषण स्तर को कम करना?
    - एच०आई०वी० को फैलने से रोकना?
    - महिलाओं/पुरूषों के प्रजनन स्वास्थ्य को बढ़ाना? यह कैसे प्राप्त होगा?

दोपहर 3:20 कॉन्डोम प्रवर्द्धन

अभ्यास 19ः कॉन्डोम प्रवर्द्धन

समूह में प्रतिभागियों को सन्देशों पर तथा शहर में MSM नेटवर्क में कॉन्डोम इस्तेमाल के तरीके में प्रवर्द्धन पर सोच-विचार करने को कहा जाता है। बुलेटिन बिन्दु के रूप में सूची बनाइये।

समयः 20 मिनट

तदोपरांत हर समूह अपना प्रस्तुतीकरण देता है। सभी महत्वपूर्ण बिन्दु का पुनरावलोकन करें। तरीकों तथा सन्देशों का समालोचन करें। प्रतिभागियों से फीडबैक माँगें।

कॉन्डोम तक पहुँच तथा उसके बाँटने जैसे मुद्दों पर चर्चा करें। कौन कॉन्डोम बाँट रहा है, कैसे, किस मूल्य पर?

सार्वजनिक यौन वातावरण में इस्तेमाल, भेदन के तरीके, कौन भेदन कर रहा है, किसके, समय, चिकनाई जैसे मुद्दे छेड़ें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को MSM वातावरण में कॉन्डोम इस्तेमाल करने में प्रवर्द्धन के तरीकों को समझाना।

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

कॉन्डोम बाँटने के सन्दर्भ में, भारतीय परिप्रेक्ष्य में यौन पहचान के मुद्दों को स्पष्टता से समझाना होगा। यह समझ में आ जाना चाहिये कि यह पंथी कॉन्डोम का इस्तेमाल करता है तथा वह कोथी ही है जो पंथी को यह करने के लिये विश्वास दिलाएगा। संदेशों तथा अलग-अलग तरीकों से यह कर पाना है।

सुविधाकर्ता को क्रम की शुरूआत में ही प्रदत्त अभिलेखों को पढ़ लेना चाहिये ताकि स्पष्टता से समझ सकें।

यह एक समझ होनी चाहिये कि जो कन्डोम इस्तेमाल कर रहा है वह पंथी है और जो कन्डोम इस्तेमाल कर रहा है, और वह कोथी है जो पंथी को कन्डोम इस्तेमाल करने को उकसा रहा है, वह कोथी है। सन्देशों और तरीकों के माध्यम से यह स्थापित किया जाना चाहिये।

इसके साथ यह भी चर्चा का एक भाग होना चाहिए कि कॉन्डोम जो कि हर यौन रोग से बचाव के लिए उसका प्रवर्द्धन कर रहे हैं क्या वह कोथी को और भी कलंकित करेगा।

एक क्षेत्र, जिसमें हम कॉन्डोम का प्रवर्द्धन कर सकते हैं वह है स्वच्छता के मुद्दे में दोनों शिश्न (Penis) तथा गुदा (Anal) की सफाई रखना। इससे कम कलंकित प्रभाव होगा। चूँकि फील्ड के कोथी में ज्यादा झुकाव एक शाम में कई पार्टनर का होता है। इसलिए इसे अच्छे प्रभावी तौर पर इस्तेमाल किया जाता है।

दूसरा मुद्दा वितरण प्रणाली का है। कॉन्डोम कौन वितरित कर रहा है? कॉन्डोम कहाँ से मिल रहा है? उसका कितनी बार इस्तेमाल हो रहा है? क्या कॉन्डोम मुफ्त बाँटना चाहिए या फिर कुछ दाम पर? क्या सामाजिक बिक्री के तरीके इस्तेमाल करने चाहिए?

इसके साथ ही चिकनाई भी एक मुद्दा है विशेषकर गुदा भेदन के तरीके तथा गुदा में जख्म होने की अधिक सम्भावना और/या तेज भेदन या चिकनाई के कम इस्तेमाल के कारण रक्तस्राव।

प्रतिभागियों से यह पूछना उपयोगी होगा कि उनके अनुसार कॉन्डोम प्रवर्द्धन कार्यक्रम को प्रभावी बनाने हेतु कितने कॉन्डोम्स् की जरूरत होगी? जबकि यह तो माना हुआ है कि यह हिसाब तो अनुमानित गणना है परन्तु आंकलन रिपोर्ट के तथ्यों से एक मोटा-मोटा अन्दाजा देना सम्भव है।

कोथी की एक रात में गुदा भेदन की औसत संख्या त्र प्रतिदिन आवश्यक कॉन्डोम की संख्या

इसके बाद मूल्यों पर चर्चा होनी चाहिये तथा जिसके बाद मुफ्त बाँटना और/या सामाजिक बिक्री के गुणों पर चर्चा होनी चाहिये।

दोपहर 4:10 अवकाश

दोपहर 4:25 यौन चिकित्सा और देखभाल

अभ्यास 20ः यौन चिकित्सा और देखभाल किस तरह से देनी चाहिये?

प्रतिभागियों से पूछें कि MSM, कोथी और गुदा यौन क्रिया के सन्दर्भ में यौन चिकित्सा और देख-भाल किसे देनी चाहिये?

क्या वह सरकारी दवाखाना होना चाहिये? जिसकी सेवायें मुफ्त हैं।
क्या वह व्यक्तिगत दवाखाना होना चाहिये? फिर दाम और पहुँच का क्या?
क्या वह परियोजना का दवाखाना होना चाहिये? दवाईयों के दामों और पहुंच का क्या?

समूह में प्रतिभागियों से इस तरह के कार्यक्रम की परिभाषा बताने को कहें। इसका मतलब सुविधा व्यवस्थापक, पहुँच, योग्यता, मूल्य, कलंक और लज्जा को खोजना।

समयः 20 मिनट

सभी समूहों को इकट्ठा करें तथा प्रत्येक समूहों को अपनी चर्चा का प्रस्तुतीकरण करने को कहें। बिन्दुओं का पुनः निरीक्षण करें तथा प्रतिभागियों का फीडबैक लें।

समयः 25 मिनट

उद्देश्य

यह सुनिश्चित करना कि प्रतिभागियों को MSM के यौन संक्रमण चिकित्सा तथा देखभाल के लिये योग्य और पहुँच वाले ढाँचे की स्पष्ट समझ हो।

शाम 5:10 न्यूनतम स्तर

'न्यूनतम स्तर' शब्द की परिभाषा दें।

अभ्यास 21ः परियोजना सेवाओं के लिये न्यूनतम स्तर विकसित करें।

समूह में, प्रतिभागियों से कहें कि निम्नलिखित व्यवहार बदलाव संप्रेक्षण हेतु न्यूनतम स्तर स्थापित करने के लिये नियमावली विकसित करेंः

- व्यवहार बदलाव संप्रेक्षण
- यौन चिकित्सा तथा देख-भाल
- कॉन्डोम कार्यक्रम
- समर्थ वातावरण

इन चर्चाओं में निम्नलिखित मुद्दे भी सम्मिलित होंः

- पहुँच
- उपयुक्तता/उचितता
- उपलब्धता
- मूल्य
- मात्रा
- गुणवत्ता

इनमें सुविधा उपभोक्ताओं के लिये सुविधा प्रदान करने का गुणवत्ता आश्वासन है।

समयः 30 मिनट

इसके बाद समूहों को इकट्ठा करें तथा हर समूह को अपना स्तर प्रस्तुत करने को कहें। संकलन तथा पुनःनिरीक्षण करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

यह सुनिश्चित करना कि प्रतिभागियों को न्यूनतम स्तर तथा गुणवत्ता आश्वासन के विचार की समझ हो। निधि के ग्राही होने के कारण उनका यह कर्तव्य है कि वह दाता (Donor) की आवश्यकता को ध्यान में रखें और उनको संतुष्ट करें और उनका यह नैतिक कर्तव्य बनता है कि वह सुनिश्चित करे कि उनके द्वारा प्रदान की गई सुविधा उपभोक्ता को संतुष्ट करे तथा उपभोक्ता तक सुविधा की पहुँच हो, वे इसके हेतु योग्य हों और उन्हें आवश्यकता हो।

शाम 6:10 समापन

सभी प्रतिभागियों को खड़े होकर कुछ व्यायाम, तनन-पसरन करने को कहें या करवायें। दिन भर की प्रक्रिया में जो दिक्कतें आयी, सभी के समक्ष जो चुनौतियाँ खड़ी हुयी, उनका गहराई से विमोचन करते हुये समापन टिप्पणी दें। तदोपरांत प्रतिभागियों तथा उनके साथ में बिताये गये समय के सम्बन्ध में मजाकिया तौर पर कुछ सकारात्मक टिप्पणियाँ करें।

सभी प्रतिभागियों को अगले दिन की सम्बद्धता के सम्बन्ध में याद दिलायें और साथ ही साथ प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता और अन्य भत्तों का भुगतान करके उनके नामों के सामने चिन्हित कर दें।

चौथा दिनः परियोजना विकास-1

प्रातः 9 बजे स्वागत एवं पंजीकरण

प्रतिभागी के कार्यशाला स्थल पर पहुँचने पर, दैनिक पंजीकरण प्रपत्र को भरकर यह सुनिश्चित कर लें कि उनके पास नाम-पट्टिका, फोल्डर, लेखन-सामग्री हो तथा प्रतिदिन भरने वाले पंजीकरण प्रपत्र को भी पूरा कर लें।

विषय-वार्ता की शुरूआत (Ice-breaker)

प्रतिभागियों से पिछली रात को किया गया सबसे अच्छे कार्य के बारे में पूछिये, यह मजाक के तौर पर किया जाना चाहिए। सुविधाकर्ता को भी इसका उत्तर देना चाहिए।

समयः 15 मिनट

प्रातः 9:15 तीसरे दिन के आधार पर फीडबैक

सामूहिक चर्चा

प्रतिभागियों से पिछले दिन की कार्यवाही के अनुसार अपनी टिप्पणी देने को कहें। प्रतिभागियों से पूछें कि उन्होंने क्या सीखा? और यदि उनके कुछ सवाल हैं तो वह पूछें।

समयः 30 मिनट

प्रातः 9:45 संगठित ढाँचा तैयार करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

एक ऐसा संगठन जो MSM सामुदायिक यौन स्वास्थ्य परियोजना का क्रियान्वयन करें, को तैयार करने हेतु उसके ढाँचे पर चर्चा करें।

इसमें कानूनी, दाता और सुविधाप्रदाता, कार्यक्रमकर्ता और तथा प्रबन्धन आवश्यकतायें सम्मिलित होंगी।

कानूनी आवश्यकतायें जैसे कि संवैधानिक विकास, संगठन का पंजीकरण करना, वह एक सोसायटी होगी या संस्था (Trust) होगी तथा उनके क्या कानूनी उत्तरदायित्व होंगे, पर भी संक्षेप में चर्चा करने की आवश्यकता होगी।

समयः 25 मिनट

अभ्यास 22ः MSM यौन स्वास्थ्य संगठन का क्या ढाँचा हो सकता है?

सुविधाकर्ता प्रस्तुतीकरण के बाद, समूह में, प्रतिभागियों से कहें कि ऐसे संगठन का ढाँचा परिभाषित करें तथा परिणामपूर्ण संगठन का मानचित्र बनायें।

प्रतिभागियों को परियोजना मॉडल याद दिलायेंः

- फील्ड सेवायें
- केन्द्र सेवायें

- स्वास्थ्य सेवायें

पूछे गये सवाल निम्नलिखित होंगेः

- कौन क्या सम्भालेगा?
- सुविधायें कौन प्रदान करेगा?
- कौन सी सुविधायें प्रदान की जा रही हैं?
- पूरा उत्तरदायित्व किसका होगा?

समयः 25 मिनट

सभी समूहों को इकट्ठा करें तथा हर समूह से अपने-अपने दल के अधिकृत-पत्र (Organogram) प्रस्तुत करने को कहें तथा उस पर अपने विचार बतायें। समालोचना तथा संकलन करें और प्रतिभागियों से फीडबैक लें। आम सहमति से अधिकृत पत्र विकसित करें।

समयः 25 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को संगठन के ढाँचे को समझाने में सक्षम बनाना तथा परियोजना जिस पर चर्चा की जा रही है उस पर अधिकृत पत्र विकसित करना।

प्रातः 11 बजे अवकाश

प्रातः 11:15 कर्मचारी आवश्यकतायें

अभ्यास 23: MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना में कर्मचारी स्तर को चिन्हित करना।

प्रस्तावना भाग में कोथी के ढाँचे (फ्रेमवर्क) से सम्बन्धित नोट्स का इस्तेमाल करते हुये तथा उसके मध्यस्थता मॉडल की प्रमुखताओं का वर्णन करते हुये निम्नलिखित परियोजना मॉडल का उपयोग करना, विशिष्ट सेवाओं और गतिविधियों को जिन्हें प्रतिभागियों ने पहले से ही पहचानित किया हुआ है, साथ ही साथ संगठनात्मक ढाँचे और पत्रिका को भी दर्शायें।

- फील्ड
- केन्द्र
- क्लीनिक्स् (दवाखाना)

जिनका ढाँचा चर्चा का विषय होगा, प्रतिभागियों द्वारा चिन्हित विशेष सुविधाओं तथा गतिविधियों को ढूँढना और साथ ही संगठन ढाँचे तथा अधिकृत पत्र पर बातचीत करना।

फील्ड टीम के ढाँचे तथा फील्ड टीम के मॉडल पर चर्चा करना।

फील्ड टीम की परिभाषा बताना

- फील्ड ऑफिसर तथा उसका कार्य
- स्थल दोस्त (Site friends) तथा उसका कार्य

- स्थल दोस्तों की संख्या उस अवस्थापन के नाप पर निर्भर करेगी। यह संख्या हर स्थल के लिये एक से चार तक हो सकती है।

समकक्ष शिक्षक और स्थल दोस्त के बीच के फर्क को समझाइयें।

समूह में प्रतिभागियों से कहें वह चिन्हित करें कि उनके अनुसार कितने कर्मचारी होने चाहिये, वे क्या करेंगे, ये अलग-अलग कार्य कौन करेंगे तथा इन कर्मचारियों के पद के लिये किस प्रवीणता की आवश्यकता है?

समयः 30 मिनट

समूहों को इकट्ठा करें तथा हर समूह को कर्मचारी की आवश्यकता पर अपना प्रस्तुतीकरण देने को कहें। पुनरावलोकन तथा समालोचन करें और प्रतिभागियों का फीडबैक लें। कर्मचारी स्तर तथा आवश्यकताओं पर एक आम सहमति बनायें।

अलग-अलग पदों के लिये कार्य-विवरण पर चर्चा करें। कार्य-विवरण के लिये पुस्तिका-5 में दी गयी प्रक्रिया का उपयोग करें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

कर्मचारी आवश्यकताओं को चिन्हित करने की क्रिया को समझाना सुनिश्चित करना।

दोपहर 12:15 प्रबन्धक नीति एवं कार्य प्रणाली

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

संस्था विकसित करने के लिये कुछ नियमावली महत्वपूर्ण हैं जो कि संगठन के ढाँचे को स्थिर रखती हैं जिसके कारण प्रभावी तथा कार्यक्षम प्रबन्धन हो पाता है तथा जो सुविधाप्रदान का ऊँचा स्तर सुनिश्चित करती है। इन्हें ज्यादातर नीति एवं कार्यप्रणाली कहते हैं। इनमें सम्मिलित हैंः

प्रबन्धन पुनरावलोकन (कर्मचारी और सुविधा दोनों ही)
नियमित कर्मचारी बैठक
गोपनीय नीति
शिकायत कार्यप्रणाली
अनुशासनात्मक कार्यवाही
नौकरी के नियम व शर्तें
शिकायतों सम्बन्धी प्रक्रिया
कार्यालय नियम
सूचनायें प्रेषित करने की व्यवस्था
लाइन प्रबन्धन ढाँचा
उचित नीतियाँ तथा कार्यप्रणाली प्रबन्धन, कर्मचारीगण तथा सुविधा उपभोक्ता को अनुचित व्यवहार, पीड़ा तथा शोषण से बचाती है।

इस पर चर्चा करें कि यह अच्छी परियोजना शासकता तथा सुविधा प्रदानता के लिये क्यों महत्वपूर्ण हैं? सुनिश्चित करें कि समानता, न्यायुक्ता, स्वाभाविक न्याय, प्रबन्धन द्वारा कर्मचारीगण की चिकित्सा, अच्छे कार्य करने के लिये अच्छा वातावरण तथा नियम और नीति-विषयक स्तरों पर चर्चा हो।

समयः 45 मिनट

उद्देश्य

यह सुनिश्चित करना कि प्रतिभागी प्रभावी तथा योग्य नीतियों तथा कार्यप्रणाली की आवश्यकता को समझें ताकि उच्च स्तर का परियोजना शासन तथा सुविधा प्रदानता सुनिश्चित करना। यह समझाना भी सुनिश्चित करना कि यह नीतियाँ व कार्यप्रणालियाँ न केवल प्रभावी तथा योग्य प्रबन्धन तैयार करती हैं बल्कि साथ ही सशक्त ढाँचा तैयार करती है, जिसमें कर्मचारी विकास हो सके।

दोपहर 1:00 भोजनावकाश

दोपहर 2:00 बजट का विकास

अभ्यास 24ः परियोजना बजट तैयार करना

पहले हुई आम सहमति से चिन्हित किये गये कर्मचारी स्तर, गतिविधियों तथा सुविधाओं से समूहों में, प्रतिभागियों को पहले साल के लिये एक खाका बजट तैयार करने को कहें जिसमें सम्मिलित होंगेः

- कर्मचारीगण मूल्य
- क्रियान्वयन मूल्य
- कार्यक्रम मूल्य
- साज-सज्जा मूल्य

हर शब्द का अर्थ साफ-साफ बतायें।

समयः 30 मिनट

इसके बाद सभी समूहों को इकट्ठा करें तथा हर समूह से अपना बजट प्रस्तुत करने को कहें। इस समूह बजट का पुनरावलोकन तथा समालोचना करें।

विशिष्ट दाता नियमावली को ध्यान में रखते हुये कि कर्मचारी स्तर, वेतन, क्रियान्वयन लागत, कार्यक्रम लागत इत्यादि में क्या स्वीकार्य है, उसके अनुसार नये MSM परियोजना के पहले क्रियान्वयन साल के लिये ड्राफ्ट बजट बनायें।

आन्ध्र प्रदेश में क्या किया गया था, हेतु उदाहरण के तौर पर मिथ्रुदू बजट का उपयोग करें।

हमें क्या चाहिये और हमें क्या मिल सकता है के बीच के भेद को नोट करें। इसमें संस्था और दाता दोनों के बीच समझौते की आवश्यकता होगी।

नये यौन स्वास्थ्य परियोजना में सम्भावित दाता पर चर्चा करें।

समयः 60 मिनट

उद्‌देश्य

यह सुनिश्चित करना कि प्रतिभागी दाता की सीमाओं के अन्तरर्गत बजट बनाने की कला को समझें।

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

बजट एक आर्थिक योजना है जो कि परियोजना के क्रियान्वयन में आवश्यक संसाधनों को स्पष्ट करे।

निम्नलिखित के लिये बजट का इस्तेमाल होता हैः

- परियोजना गतिविधियों में आवश्यक विभिन्न लागतों एवं धनराशि का अनुमान लगाना।
- सम्भावित वित्त पोषण संस्थाओं को वांछित संसाधनों पर सूचना देना जिससे प्राप्त किये जा सके। 'लक्ष्य'
- परियोजना के क्रियान्वयन हेतु मार्गदर्शन देना, व्यय सम्बन्धी निर्णयों के रूप में
- आधार मानक जिसके विरूद्ध परियोजना व्ययों का अनुश्रवण किया जा सके।

प्रत्येक व्यय श्रेंणी (पंक्तिवाद) हेतु वांछित कुल लागत की बावत विस्तृत आंकलन कर ही प्रस्तुत करें। प्रत्येक व्यय मे सम्मिलित समस्त बिन्दु को इस आंकलन में सम्मिलित करें।

उदाहरण के तौर पर फील्ड कार्यकर्ताओं के यात्रा व्यय में निम्नलिखित सम्मिलित होंः

- की गयी यात्राओं की संख्या
- हर यात्रा में किलोमीटर संख्या
- यात्रा व्ययः
- प्रति लीटर पेट्रोल में गाड़ी की किलोमीटर संख्या
- प्रति लीटर पेट्रोल के दाम या प्रत्येक यात्रा में यात्रा व्यय

सामग्री मूल्य में ऑफिस के लिये साज सज्जा का सामान जैसे कि डेस्क, कुर्सी इत्यादिं.

क्या उनके पास कम्प्यूटर या टाईपराईटर होना चाहिये?

बारम्बार होने वाली लागत में सम्मिलित हैंः

- स्थान का किरायाः क्या स्थान स्टाफ तथा केन्द्र-आधारित गतिविधियों के लिये पर्याप्त है?
- बिजली/गैस
- फोटोकॉपी/प्रिंट
- टेलीफोन कॉल इत्यादिं.

ट्रेनिंग आवश्यकताओं तथा सामर्थ्य निर्माण का क्या होगा?

जो चाहते हैं तथा जो कि आवश्यकतायें हैं उन दोनों को मिलायें।

चर्चा करेंः

- परियोजना क्या सुविधायें प्रदान करना चाहता है?

- वह कितने कर्मचारियों को भर्ती करना चाहता है?
- कर्मचारियों के पास क्या योग्यता होनी चाहिये?

निश्चित करें किः

- कर्मचारियों के वेतन
- हर सुविधा में आप क्या प्रदान करना चाहते हैं तथा इसकी लागत क्या होगी?
- क्या आपको अपनी परियोजना को विकसित करने के लिये तकनीकी सहायता की आवश्यकता है?

NACO नियमावली स्पष्ट करें तथा एक उदाहरण प्रदर्शित करें।

दोपहर 3:30 स्थिरता

समूह चर्चा

स्थिरता शब्द की परिभाषा निम्नलिखित शब्दों के आधार पर देंः

- व्यवहार बदलाव
- परियोजना अवधि
- वित्त

प्रतिभागी निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर देंः

- क्या परियोजना गतिविधियाँ जो कि प्रारम्भ में चलायी जायें, क्या बाद में "समुदाय" द्वारा चलायी जा सकती हैं? सरकार के द्वारा?
- क्या यह परियोजना कुछ गतिविधियाँ ले सकती हैं जो इसे सुगम करें?
- परियोजना में बारम्बार होने वाली लागतें क्या हैं? क्या परियोजना गतिविधियों के क्रियान्वयन कि दूसरे विकल्पों को ढूँढने से क्या यह लागत कम की जा सकती है?

नोटः बारम्बार होने वाली लागत हर दिन की गतिविधि, सुविधा-सामग्री जैसे कि किराया, बिजली, टेलीफोन बिल, इत्यादि की क्रियान्वयन लागत है।

- यदि परियोजना अवधि के बाद आर्थिक सहायता की आवश्यकता होती है तो उसे पाने के क्या विकल्प हैं? उदाहरणः सुविधा शुल्क, योगदान, उपहार, सामाजिक बिक्री, आय सृजन गतिविधियाँ इत्यादिं.

सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को लिखें। पुनरावलोकन करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों द्वारा परियोजना की स्थिरता के लिये स्ववित्त पोषित रणनीति को ढूँढना सुनिश्चित करना।

दोपहर 4:00 बजे अल्पावकाश

दोपहर 4:15 समय-सारणी एवं कार्य योजना विकसित करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

समय-सारणी तथा कार्य योजना की परिभाषा दें। समय सारणी सुविधा क्रियान्वयन क्रिया की सूचक है। कार्ययोजना गतिविधियों हेतु समय-सारणी बताता है।

समयः 15 मिनट

अभ्यास 25ः समय-सारणी तथा कार्य योजना बनाना

दो कार्य करने वाले समूहों में, प्रत्येक समूह से कहें कि वे वांछित सुविधाओं को ध्यान में रखते हुये एक क्रियान्वयन अनुसूची तैयार करें।

विभिन्न सुविधाओं के लिये प्रधान गतिविधियों तथा सुविधा समय सारणी को ध्यान में रखते हुये, प्रत्येक समूह ऐसे कार्यों जो सारी गतिविधियों को पूरा करने के लिये आवश्यक हैं की विस्तृत सूची बनाये तथा यह स्पष्ट करें कि वह कौन करेगा तथा प्रत्येक कार्य कब शुरू होगा और खत्म होगा? यदि अनेक गतिविधियाँ हैं तो समूह से कहें कि वह गतिविधियों के तीन उदाहरण छाँट लें।

इन कार्यों से, समूहों से कहें कि वह यह सूचना समय-चार्ट के अनुसार बाँट दें। समय चार्ट सभी कार्यों का अनुक्रम तैयार करता है तथा चित्ररूप में प्रत्येक कार्य का शुरू होना तथा खत्म होना दिखाता हैं।

समयः 45 मिनट

तदोपरांत दोनों समूहों को इकट्ठा करें तथा प्रत्येक समूह से कहें कि वह अपनी कार्य-योजना और समय-चार्ट का प्रस्तुतीकरण करें। पुनरावलोकन करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

समयः 45 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को ऐसे कार्यों को विकसित करने की क्रिया को समझाना जो कि गतिविधि को सुगम बनाये तथा प्रत्येक गतिविधि के क्रियान्वयन हेतु योग्य समय-सारणी विकसित करना सुनिश्चित करना।

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

यह क्रिया परियोजना में सम्मिलित सभी के कार्यों की व्यवस्था करती है। प्रत्येक व्यक्ति चार्ट की एक कॉपी रख सकता है ताकि वह आसानी से जान सके कि किसी भी समय में परियोजना कहाँ है? अगले कदम क्या होना चाहिये? विशेष कार्यक्रमों में किसका उत्तरदायित्व है तथा यह कार्य कब होने हैं? इन चार्ट की नियमित रूप से समीक्षा कर सकते हैं, तथा आवश्यकतानुसार क्रम अथवा समय बदल सकते हैं। अतः समय-चार्ट का नियमित रूप से पुनरावलोकन की आवश्यकता है।

उदाहरणः कार्य-योजना तैयार करनाः

उद्देश्यः पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखने वाले पुरूषों तथा उनके यौन साथियों में कॉन्डोम के उपयोग को बढ़ाना

रणनीतिः फील्ड कार्यकर्ताओं तथा स्थल-दोस्त का विशिष्ट सार्वजनिक यौन वातावरण में MSM को यौन संक्रमण/एच०आई०वी०/एड्स के बारे में सूचित करना तथा कॉन्डोम इस्तेमाल बढ़ाने में इस्तेमाल करना।

गतिविधियाँः एक फील्ड कार्यकर्ताओं को चुनना तथा प्रशिक्षण

कार्य	**जिम्मेदार इंसान**	**शुरूवात/समाप्ति की तारीख**
फील्ड कार्यकर्ता के कार्यों की परिभाषा	परियोजना समन्वयक	पहला सप्ताह
प्रशिक्षण कार्यक्रम का अभिप्राय तैयार करना	परियोजना समन्वयक/प्रशिक्षक	दूसरे-चौथे सप्ताह
MSM की मीटिंग तय करना	परियोजना समन्वयक	दूसरे-चौथे सप्ताह
MSM चुने जिन्हें भविष्य में फील्ड कार्यकर्ता नियुक्त किया जा सके	परियोजना समन्वयक/प्रशिक्षक	तीसरे-पाँचवें सप्ताह
प्रशिक्षण के लिये तारीख/स्थान तय करें तथा प्रतिभागियों को सूचित करें	परियोजना समन्वयक	चौथे-छठा सप्ताह
प्रशिक्षण दें	प्रशिक्षक	छठा सप्ताह
प्रशिक्षण मूल्यांकन	परियोजना समन्वयक/प्रशिक्षक	सातवाँ सप्ताह
फील्ड कार्यकर्ता चुनना	परियोजना समन्वयक	सातवाँ सप्ताह

इत्यादिं.

“कार्ययोजना” और “समय-सारणी” की परिभाषा दें।

शाम 6:00 समापन

सभी प्रतिभागियों को खड़े होकर कुछ व्यायाम, तनन-पसरन करने को कहें या करवायें।

दिन भर की प्रक्रिया में जो दिक्कतें आयी। सभी के समक्ष जो चुनौतियाँ खड़ी हुई, उसका गहराई से विवेचन करते हुये समापन टिप्पणी करें। तदोपरांत प्रतिभागियों तथा उनके साथ में बिताये गये समय के सम्बन्ध में मजाकिया तौर पर कुछ सकारात्मक टिप्पणियाँ करें।

सभी प्रतिभागियों को अगले दिन की सम्बद्धता के सम्बन्ध में याद दिलायें।

इसके साथ ही साथ प्रतिभागियों को यात्रा भत्ता और अन्य भत्तों का भुगतान करके उनके नामों के सामने चिन्हित कर दें।

पाँचवां दिनः परियोजना प्रबन्धन 2

प्रातः 9 बजे स्वागत एवं पंजीकरण

प्रतिभागी के कार्यशाला स्थल पर पहुँचने पर, दैनिक पंजीकरण प्रपत्र को भरकर यह सुनिश्चित कर लें कि उनके पास नाम-पट्टिका, फोल्डर, लेखन-सामग्री हो तथा प्रतिदिन भरने वाले पंजीकरण प्रपत्र को भी पूरा कर लें।

विषय-वार्ता की शुरूआत (ice-breaker)

प्रतिभागियों से पिछली रात को किया गया सबसे अच्छे कार्य के बारे में पूछिये, यह मजाक के तौर पर किया जाना चाहिए। सुविधाकार्यकर्ता को भी इसका उत्तर देना चाहिए।

समयः 15 मिनट

प्रातः 9:15 चौथे दिन के आधार पर फीडबैक

सामूहिक चर्चा

प्रतिभागियों से पिछले दिन की कार्यवाही के अनुसार अपनी टिप्पणी देने को कहें। प्रतिभागियों से पूछें कि उन्होंने क्या सीखा? और यदि उनके कुछ सवाल हैं तो वह पूछें।

समयः 30 मिनट

प्रातः 9:45 अनुश्रवण

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

यह जानना महत्वपूर्ण है कि वांछित परिणाम या आउटपुट और आउटकम पूरी हो पायेगी कि नहीं। इस तरह की सूचना होने से परियोजना में मध्यस्थता रणनीति गतिविधियों तथा लक्ष्यों को जमीनी सच्चाईयों को ध्यान में रखते हुये पुनः संशोधित किया जा सकता है। साथ ही यह परियोजना स्टाफ तथा प्रबन्धन को जमीनी स्थिति से अवगत करते हैं ताकि उसके अनुसार कार्य किया जा सके।

अनुश्रवण तथा आंकलन को परियोजना का महत्वपूर्ण अंश माना जाना चाहिये।

समूह द्वारा तैयार किये गये सूचक परियोजना के विकास में अनुश्रवण का आधार बनते हैं। यह स्पष्ट करे कि सूचना इकट्ठा करना तथा अभिलेखन करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है ताकि होने वाले कार्यों और विकास (यदि कुछ है) का लेखपत्र तैयार करें। इसमें आर्थिक अनुश्रवण भी सम्मिलित होगा।

समयः 15 मिनट

अभ्यास 26ः किसका अनुश्रवण होना चाहिये?

समूहों तथा सूचकों की सूची जो कि पहले से तैयार की जा चुकी है, इसके बाद प्रतिभागियों से कहें कि परियोजना अवधि के प्रारम्भ होने में, दौरान तथा अन्त में सभी तरह की सूचना जो कि इकट्ठा करनी तथा अभिलिखित करनी

है, की सूची बनायें। यह सुनिश्चित कर लें कि इकट्ठी की गयी सूचनाओं से अर्थपूर्ण तुलना हो सके ताकि विकास का आंकलन कर सकें।

प्रतिभागियों से कहें कि कार्ययोजना का पुनरावलोकन करें तथा आवश्यकतानुसार संशोधन करें।

यह ध्यान में रखते हुये समूहों से कहें कि सूचनायें कौन एकत्रित करेगा, कब करेगा, वह किस तरह से अभिलिखित होंगी तथा कौन सूचना का पुनरावलोकन करेगा? सभी को चिन्हित करें।

समयः 30 मिनट

इसके बाद प्रत्येक समूह से कहें कि वह अपने निर्णय को प्रस्तुत करें। पुनरावलोकन करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

तदोपरान्त अन्य MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना द्वारा प्रयुक्त तृतीय श्रंखला अभिलेख के अनुश्रवण प्रपत्रों को ओवरहेड के रूप में प्रदर्शित करें।

प्रतिभागियों को स्पष्ट करें कि यह संग्रहित आंकड़े संख्यात्मक डाटा बताते हैं। निर्गत और परिणामों को पूर्ण करने हेतु हुआ विकास जानने के लिये गुणवत्ता सूचना की भी आवश्यकता होगी।

इसे पाने के तरीकों पर भी चर्चा करेंः

साक्षात्कार
केन्द्रित समूह चर्चा
सर्वेक्षण

समय 45 मिनट

उद्देश्य

अनुश्रवण कार्यों में सूचकों का उपयोग तथा सूचना एकत्रित करने की क्रिया को समझना/समझाना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

सूचना एकत्रित करना अनुश्रवण है। इसमें नियमित जाँच सम्मिलित है ताकि यह जाना जा सके कि परियोजना गतिविधियाँ योजना अनुसार और परियोजना बजट में लिखी गयी योजना अनुसार हो रही हैं ताकि अटकलों को चिन्हित कर ठीक किया जा सके।

प्रतिभागियों को यह सोचना होगा कि अनुश्रवण रीति कब होनी चाहिये तथा यह किसका उत्तरदायित्व होगा एवं यह निर्णय कार्य योजना में सम्मिलित करने होंगे।

प्रतिभागियों को यह सोचना होगा कि अनुश्रवण रीति कब पूरी होनी चाहिये तथा यह किसका उत्तरदायित्व होगा एवं यह निर्णय कार्य योजना में सम्मिलित करने होंगे तथा साथ ही साथ यह निर्णय कार्य योजना में सम्मिलित करने होंगे।

अनुश्रवण आंकड़ों के पुनरावलोकन से कार्य योजना पर प्रभाव पड़ सकता है। अनुश्रवण आंकड़ों में दिखाई देने वाली अटकलों सामने आ सकती हैं। इन मुसीबतों को तुरन्त हल करना होगा। जिससे कार्य योजना में बदलाव हो सकते हैं।

उदाहरण, कार्ययोजना में किसी विशिष्ट स्थान पर कन्डोम वितरण की आवश्यकता हो सकती है। जबकि वहाँ पर लेने वालों की संख्या काफी कम हो सकती है। जिसके कई कारण हो सकते हैं। इन कारणों को हल करने के बाद ही कॉन्डोम लेने वालों की संख्या बढ़कर हमारे लक्ष्य के अनुरूप होगी।

सम्भावित माप-सूचकांक

1. पुरूष यौन नेटवर्क के विस्तृत दायरे में पुरूष जो पुरूषों के साथ यौन सम्बन्ध रखते हैं, में प्रचलित यौन आचरण सर्वेक्षण तथा आवश्यकता आंकलन करना।
2. यौन स्वास्थ्य, सुविधा तथा संसाधन की सूचना तक पहुँचने में पुरूषों की संख्या में वृद्धि
3. कन्डोम उपयोग में वृद्धि
4. यौन आचरणों में बदलाव
5. यौन संक्रमण चिकित्सा तक पहुँचने में वृद्धि
6. एच०आई०वी० काउन्सलिंग तथा जाँच तक पहुँच में वृद्धि
7. पर्याप्त आश्रय तथा काउन्सलिंग तक पहुँच में वृद्धि
8. विकसित शैक्षिक संस्थानों की संख्या
9. यौन स्वास्थ्य चर्चा समूहों का दायरा
10. वितरित संसाधनों की संख्या
11. प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या
12. प्रशिक्षण कार्यक्रमों में उपस्थिति तथा उनके आँकड़े
13. प्रतिभागी संस्थाओं का दायरा

योग्य तरीकों से इसका सच्चा (धरातल पर) अनुश्रवण हो सकता है। योग्य अभिलेखीकरण से अनुश्रवण रीतियों तथा सत्यापन विधि की श्रेणी विकसित की जा सकती है।

सत्यापन विधि के मायने

1. फील्ड टीमों द्वारा नियमित जगहों पर सर्वेक्षण करना जिनमें सम्मिलित हैंः

- प्रश्नावली
- व्यक्तिगत साक्षात्कार

2. ऐजेंसी, उनकी सुविधाओं तथा प्रमाणों तक पहुँचने वालों का अनुश्रवण करना कार्यकर्ताओं को प्रतिदिन भरने वाले फॉर्म पूरे करने हैं।

3.

- वितरित कॉन्डोम/चिकनाई की संख्या
- समकक्ष शिक्षकों द्वारा स्थानों पर संचालित की गई प्रश्नावली/साक्षात्कार
- यौन संक्रमण चिकित्सा तथा प्रमाण पर अनुश्रवण आंकड़ों का पुनरावलोकन इनकी लॉग बुक तथा प्रमाण पत्रों द्वारा अनुश्रवण क्रिया विकसित की गयी है।

4. समयावधि में समकक्ष व्यक्तियों के साक्षात्कार एवं प्रश्नावली द्वारा एक स्थल पर एकल समूह समय श्रृंखला विश्लेषण से लेकर कई स्थलों पर (cross sectional) समय श्रृंखला विश्लेषण तुलना तक।

5. यौन स्वास्थ्य चर्चा समूह के अभिलेखों का अनुश्रवण

6. टेलीफोन द्वारा अनुश्रवण व्यवस्था करनाः कॉल संख्या प्रतिदिन/विषय/प्रतिक्रिया

7. फील्ड टीम तथा ऑफिस स्टॉफ वितरण अभिलेखन करना

8. प्रशिक्षण अभिलेख रखे जायें।

9. कार्य-रिपोर्ट नियमित रूप से तैयार हो।

नोटः

- कुछ सूचक परियोजना प्रभाव के मापदंड हो सकते हैं। अतः वे आंकलन का एक हिस्सा बन जाते हैं। इन्हें निर्दिष्ट समय जैसे कि परियोजना के दौरान या फिर अंत में संचालित किया जाना चाहिये। दूसरे सूचक उन गतिविधियों के होंगे जिनका नियमित समय अन्तराल पर अभिलेखीकरण होना चाहिये। इन्हें अनुश्रवण व्यवस्था का एक हिस्सा मानना चाहिये।
- कार्ययोजना परियोजना गतिविधियों, उसकी समय-सारणी तथा क्रियान्वयन हेतु जिम्मेदार व्यक्ति के बारे में निर्दिष्ट करती है। कार्ययोजना का नियमित पुनरावलोकन भी अनुश्रवण व्यवस्था का एक हिस्सा है।
- बजट प्रत्येक गतिविधि के क्रियान्वयन में आवश्यक संसाधनों को निर्दि ट करता है। व्यय का नियमित पुनरावलोकन भी अनुश्रवण व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग है।

पुस्तिका तीन के नमूने अनुश्रवण फॉर्म का उपयोग करें।

प्रातः 11:15 अवकाश

प्रातः 11:30 आंकलन

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के प्रसंग में आंकलन की परिभाषा दें। स्पष्ट करें कि यह कैसे होता है तथा यह सूचना में क्या श्रोत इस्तेमाल करता है?

केन्द्रित समूह सर्वे, तथा साक्षात्कार पर चर्चा करें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

यह समझना कि परियोजना के विकास के आंकलन का क्या अर्थ है तथा संख्यात्मक एवं गुणात्मक अनुश्रवण क्रिया इस्तेमाल करते हुये यह कैसे किया जा सकता है?

दोपहर 12:00 रिपोर्ट

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

किसी भी परियोजना में अभिलेख रखना जरूरी है। आँकड़ों का अनुवाद कर उसे समझने लायक ढाँचे में ढालना भी परियोजना का कार्य है।

प्रतिभागियों से नियमित रिपोर्ट बनाने, सारांश तथा विकास लेख की आवश्यकता पर चर्चा करें। कौन अभिलेख बनायेगा? क्या बनेगा? कब और क्या सूचना होगी?

इन रिपोर्टों से परियोजना की प्रबन्धन आवश्यकता झलकती है। साथ ही यह दाता द्वारा वांछित विकास रिपोर्ट भी होती है।

दूसरे MSM यौन स्वास्थ्य परियोजना के अनुभव से बने हुये सुविधाकर्ता नोट्स का उपयोग करें।

स्पष्ट करें कि राज्य एड्स नियन्त्रण संस्था (भारत) को विशिष्ट फर्मा में मासिक रिपोर्ट प्रेषित की जानी है।

यह फर्मा स्पष्ट करें तथा निम्नलिखित उदाहरण दें।

समयः 45 मिनट

उद्देश्य

यह सुनिश्चित करना कि प्रतिभागी रिपोर्ट का प्रकार समझें, उनकी आवश्यकता, रिपोर्ट के वर्ग एवं उसमें आवश्यक सूचना समझें।

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण

नियमित अनुश्रवण रिपोर्ट के साथ, नियमित विकास रिपोर्ट भी जरूरी है। यह परियोजना प्रबन्धन को परियोजना विकास तथा सुविधा प्रदान क्रियान्वयन का आंकलन करने के साथ ही दाता को अवसर प्रदान करता है कि परियोजना में अपनी धनराशि के विनियोग का आंकलन करें। यह दाता को तथा परियोजना प्रबन्धन को यह आंकने का अवसर प्रदान करता है कि आर्थिक विनियोग लाभदायक है या फिर विनियोग का रिटर्न बहुत कम है।

इन रिपोर्टों से, जारी रखने की आवश्यता, रणनीति का बदलाव तथा खात्मे तक निर्णय किया जा सकता है।

जब भी परियोजना विकास रिपोर्ट तैयार होती है, तो उपलब्धि की लक्ष्यों के साथ तथा कार्ययोजना जो कि परियोजना अभिलेख/प्रस्ताव/देय सन्धि में सम्मिलित हैं, के साथ तुलना करना आवश्यक है।

इस तरीके से, हम उन गतिविधियों का आंकलन कर सकते हैं जो कि समय-सूची के अनुसार प्रगति कर रहे हैं तथा कार्य कहाँ कम चल रहा है, यह तुलना उपलब्धि पर ध्यान केन्द्रित करती है तथा बताती है कि कहाँ मुश्किलों के समाधान की आवश्यकता है।

- प्रगति रिपोर्ट की सामग्री
- परियोजना का नाम
- क्रियान्वयन संस्था
- समन्वयक अधिकारी

- रिपोर्ट अवधि
- रिपोर्ट करने की तारीख
- प्रस्तावना
- नियोजित आउटपुट जो पूर्ण हूयी
- अनियोजित उपलब्धि
- नियोजित परिणाम जो पूर्ण नहीं हुये
- उपयोग में लायी गयी धनराशि/निधि
- नियोजित निर्णय अगली अवधि हेतु
- उभरती हुयी एवं सम्भावित समस्याऐं जिनसे परियोजना क्रियान्वयन कुप्रभावित हुआ हो।
- इन मुसीबतों को हल करने के लिये उठाये गये कदम
- कोई प्रासांगिक टिप्पणी

इस तरह की रिपोर्ट को कुछ छोटा रखना चाहिये। ज्यादातर 4-5 पेज काफी होंगे। परियोजना प्रगति रिपोर्ट ज्यादातर छःमाही अवधि में बनायी जाती है।

वार्षिक रिपोर्ट

जैसा कि कहा गया है कि यह संस्था की सालाना रिपोर्ट है। जहाँ यह परियोजना ही ऐजेंसी का कार्यक्रम है। वहाँ यह सालाना रिपोर्ट साल के अन्त में प्रगति रिपोर्ट भी हो सकती है।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (ऑडिट रिपोर्ट)

यह रिपोर्ट ऐजेंसी के आर्थिक वर्ष के अन्त में तैयार की जाती है जिसमें परियोजना ऐजेंसी के आय तथा व्यय को एक व्यवसायिक ऑडिटर देखता है। यह प्रमाणित करता है कि सभी व्यय कानूनी हैं एवं बजट के अनुसार हैं जिसे कि दाता ने मंजूर किया है।

अन्य रिपोर्ट

1. साईट बडी (Site buddy) की रिपोर्ट

फील्ड कार्यकर्ता अपने साईट बडी से सप्ताह में एक बार मिलेंगे ताकि टिप्पणी एवं स्थलों के मुद्दों को सुन सकें।

मुद्देः

- कॉन्डोम उपयोग
- यौन संक्रमण स्तर
- सामाजिक मुद्दे
- नये लोग
- यौन चिकित्सा स्वीकृति
- गुन्डे/पुलिस
- यह रिपोर्ट स्थान विशिष्ट है।

फील्ड कार्यकर्ता इस चर्चा का साप्ताहिक सारांश तैयार करता है और फील्ड समन्वयक को देता है।

रिपोर्ट समय-सारणीः प्रत्येक सोमवार

फील्ड समन्वयक इसे पढ़ता है और इसे फाइल में लगाता हैः स्थान नाम - स्थल दोस्त (Site buddy) रिपोर्ट

समय-सारणीः मंगलवार

प्रत्येक माहः फील्ड समन्वयक स्थल दोस्त (Site buddy) मासिक सारांश तैयार करता है।

इन साप्ताहिक रिपोर्ट्स की रिपोर्ट जिसमें कि अनुरूप मुद्दे तथा कोई संस्तुति भी तैयार करना।

यह रिपोर्ट परियोजना समन्वयक को पढ़ने को दी जाती है जो कि इस पर होने वाले कार्यों को प्रमाणित करेगा।

इस रिपोर्ट का फिर अंग्रजी में अनुवाद किया जाता है तथा साईट बडी रिपोर्ट फाइल में फाइल की जाती है।

रिपोर्ट समय-सारणीः रिपोर्ट करने के महीने के बाद के पहले हफ्ते का आखिर

2. फील्ड कार्यकर्ता रिपोर्ट

- दैनिक रिपोर्ट-स्थान विशिष्ट-अतिरिक्त सूचनायेंः
    - पिछले चौबीस घंटों में आपने कितनी बार
        - किसी में प्रवेश किया
        - आपको किसी ने भेदित किया है
        - कितने बार आप कन्डोम का प्रयोग नहीं कर पाये

        यह व्यक्ति विशिष्ट है।

    रिपोर्ट समय-सारणीः स्थल दर्शन के अगले दिन

- कलैन्डर महीने के अन्त तक यह रिपोर्ट रखी जाती है।

- कलैन्डर महीने के अन्त में-महीने के पहले दिन से-महीने के आखिरी दिन तक दैनिक स्थल रिपोर्ट फील्ड समन्वयक को दी जाती है। फील्ड समन्वयक फिर मासिक सारांश स्थान रिपोर्ट बनाता है। जिसमें सम्मिलित हैंः

    - संख्यात्मक आँकड़े
    - गुणवत्ता सूचना

संस्तुति, मुद्दों तथा कार्यों के साथ रिपोर्ट समय-सारणीः रिपोर्ट करने वाले महीने के बाद पहले हफ्ते के आखिर में

- यह मासिक सारांश रिपोर्ट परियोजना समन्वयक को दी जाती है। जो इसे पढ़ेगा तथा कार्य-रिपोर्ट तैयार करेगा जिसे सारांश रिपोर्ट के साथ जोड़ा जायेगा।

- परियोजना समन्वयक के यह रिपोर्ट पढ़ने के बाद इसे प्रबन्धकर्ता को अनुवाद के लिये दिया जाता है तथा इसे स्थान मासिक रिपोर्ट के नाम से रखा जाता है।

3. सामाजिक समूह रिपोर्ट

- समूह कार्यकर्ता समूह की मीटिंग के बाद रिपोर्ट लिखते हैं

    - उपस्थिति संख्या

  - चर्चित मुद्दे
  - निर्णय/संस्तुतियाँ

- परियोजना समन्वयक को रिपोर्ट पढ़ने को दी जाती है। जिसके बाद इसका अनुवाद कर इसे सामाजिक मीटिंग की रिपोर्ट में रखा जाता है।

4. ऑफिस रिपोर्ट

- प्रबन्धकर्ता परियोजना समन्वयक के लिये मासिक व्यय कथन तैयार करेगा।
- यह मासिक रिपोर्ट निम्नलिखित के अनुसार तैयार करेगाः
  - प्राप्त किये हुये पत्र/किससे/क्या
  - आये हुये फोन/किससे/क्या
  - यौन संक्रमित मरीजः कितने/किस स्थान से/मुश्किलें
  - सामाजिक समूह रिपोर्ट उपस्थिति कितनी/किन मुद्दों पर चर्चा हुयी
  - कक्षा/उपस्थिति अभिलेख
  - रिपोर्ट समय-सारणीः रिपोर्ट करने के महीने के बाद सप्ताह का अंत

5. क्लीनिक/दवाखाना रिपोर्ट

- प्रबन्धकर्ता दवाखाना सत्र की रिपोर्ट संकलित करेगा तथा प्रत्येक सत्र के बाद डॉक्टर से डॉक्टर से सन्दर्भ कॉर्ड एकत्रित करेगा तथा एक सारांश तैयार करेगा।
  - स्थल
  - मरीजों की संख्या
  - यौन संक्रमण
  - अन्य स्वास्थ्य सम्बन्धी मुद्दे
  - सत्रकालीक यौन संक्रमण सुविधा रिपोर्ट
- मासिक यौन संक्रमण सुविधा रिपोर्टः स्थान विशिष्ट
  - सारांश
  - रिपोर्ट समय-सारणीः रिपोर्ट करने के महीने के बाद के पहले सप्ताह का अंत

6. परियोजना रिपोर्ट

परियोजना समन्वयक मासिक परियोजना रिपोर्ट तैयार करेंगे।

जिसमें सम्मिलित होंगीः

- ऑफिस रिपोर्ट
- व्यय रिपोर्ट
- फील्ड रिपोर्ट
- दवाखाना/क्लीनिक रिपोर्ट

रिपोर्ट समय-सारणीः रिपोर्ट करने वाले माह के बाद दूसरे हफ्ते का अन्त

1. स्थल विशिष्ट रिपोर्ट

- स्थल दोस्तः

• साप्ताहिक स्थल दोस्त रिपोर्ट	फील्ड कार्यकर्ता
• मासिक स्थल दोस्त रिपोर्ट	फील्ड समन्वयक
• फील्ड समन्वयक द्वारा पढ़ी गयी	प्रबन्धकर्ता द्वारा अनुवाद

- फील्ड कार्यकर्ताः

• दैनिक फील्ड कार्य रिपोर्ट	फील्ड कार्यकर्ता
• मासिक फील्ड कार्य सारांश	फील्ड समन्वयक
• समन्वयक द्वारा पढ़ी गयी	प्रबन्धकर्ता द्वारा अनुवाद
• अतिरिक्त टिप्पणी देने के लिये	प्रबन्धकर्ता द्वारा अनुवाद

- यौन संक्रमण सेवायेंः

    - सत्र रिपोर्ट प्रबन्धकर्ता
    - प्रबन्धकर्ता की मासिक रिपोर्ट जो कि परियोजना समन्वयक द्वारा पढ़ी गयी है
    - ताकि अतिरिक्त टिप्पणी दी जा सके, प्रबन्धकर्ता द्वारा अनुवाद

2. प्रत्येक सत्र में सामाजिक आश्रय समूह सुविधाकर्ता

3. मासिक ऑफिस रिपोर्ट प्रबन्धकर्ता

    - व्यय
    - ड्राप-इन
    - हॉट-लाईन
    - यौन संक्रमण सेवायें
    - सामाजिक समूह
    - कक्षायें

4. परियोजना रिपोर्ट

• मासिक परियोजना रिपोर्ट	परियोजना प्रबन्धक
• अनुवाद	परियोजना प्रबन्धकर्ता
• छःमाही रिपोर्ट	परियोजना प्रबन्धक

मिथ्रुदु मासिक प्रगति रिपोर्ट का उदाहरण दें।

दोपहर 12:45 आर्थिक प्रबन्धन तथा रिपोर्ट बनाना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण तथा सामुहिक चर्चा

परियोजना बजट जिसे कि दाता ने स्वीकृत किया है और/या परियोजना प्रबन्धन ने स्वीकृत किया है, वह परियोजना की आर्थिक व्यवस्था के लिये आधारशिला है।

यह अत्यन्त महत्वपूर्ण है कि प्रभावी आर्थिक अनुश्रवण तथा अभिलेख रखाव परियोजना व्यय पर संचालित होता है। इस प्रकार से हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि व्यय स्वीकृत बजट के अनुसार रहेंगे तथा प्रगति के सम्बन्ध में मूल्य का अनुश्रवण किया जा सके।

व्यय में वृद्धि के उदाहरण, व्यय की अतिरिक्त आवश्यक धनराशि कहाँ से आयेगी?

स्पष्ट करें कि यह सुनिश्चित करना क्यों महत्वपूर्ण है कि हमारी बजट लाईन बजट से ऊपर न जाय। प्रतिभागियों से पूछें कि वह किस प्रकार से अनुश्रवण करेंगे। पुनरावलोकन और समालोचना करें।

मासिक आर्थिक रिपोर्ट तथा उसके नक्शे पर चर्चा करें।
सभी महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सूचीबद्ध करें। पुनरावलोकन करें और प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

आन्ध्र प्रदेश राज्य एड्स नियन्त्रण सोसायटी (APSACS) की आवश्यकताओं से उदाहरण दें।

समयः 45 मिनट

उद्देश्य

यह सुनिश्चित करना कि प्रतिभागियों को प्रभावी आर्थिक प्रबन्धन व्यवस्था की आवश्यकताओं पर तथा रिपोर्ट तकनीकी पर स्पष्ट समझ हो।

सुविधाकर्ता नोट्स

परियोजना के दौरान आयी वास्तविक लागत की परियोजना के बजट में मंजूर लागत से तुलना करना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। यह व्यय का अनुश्रवण करता है तथा सूचित करता है कि कहाँ और कब आर्थिक मुश्किलें हो सकती हैं। वित्त पोषण करने वाली संस्था को भी सामयिक आर्थिक रिपोर्ट की आवश्यकता होती है, जो कि व्यय हुयी धनराशि का ब्यौरा देती है।

निम्नलिखित आसान, सटीक तथा मददगार आर्थिक अनुश्रवण हेतु सरल मागदर्शन है।

- प्रत्येक व्यय का हिसाब रखनाः
    - प्रत्येक व्यय की रसीद लें।
    - जहाँ पर रसीद सम्भव नहीं है जैसे छोटे सामान में, स्वयं लिखी हुयी रसीद रखना
    - सुनिश्चित करें व्यय से सम्बन्धित सभी तरह के अभिलेख, निरस्त चेक, बिल की कापियाँ, कर्मचारी, समय-सारणी इत्यादि आपके पास रहें।
- प्रत्येक व्यय को श्रेणीबद्ध करेंः

परियोजना बजट में लागत की अनुमोदित श्रेणी होगी, ज्यादातर इन्हें "लाईन आईटम" कहा जाता है। प्रत्येक व्यय के लिये धनराशि किसी अनुमोदित श्रेणी से ली जायेगी। प्रत्येक रसीद पर नम्बर या बजट व्यय श्रेणी लिखना फायदेमंद रहता है। प्रत्येक व्यय श्रेणी के लिये एक अलग फाईल रखना तथा सभी रसीद जिनका बिल उस श्रेणी में होना है इसी फाईल में रखने से भी फायदा रहता है।

वेतन व्यय में, वेतन स्लिप की कॉपी को उसके फोल्डर में या कर्मचारी अपना वेतन लेने पर लेजर पुस्तिका में हस्ताक्षर करता है।

नोटः

नाज़ फाउन्डेशन की कुछ पार्टनर ऐजेंसी में दो श्रेणी के कर्मचारी होते हैं जिन्हें दो अलग-अलग फोल्डर में रखना होगा चूँकि वे अलग 'लाईन आइटम' है।

यह हैंः

- प्रशासन तथा प्रबन्धक स्टॉफ
- कार्यक्रम स्टॉफ
- लेखा को अद्यतन रखना

यह महत्वपूर्ण है कि स्टॉफ में योग्य व्यक्ति (ज्यादातर लेखाकार या ऑफिस प्रबन्धकर्ता) व्यय का नियमित हिसाब रखे। यह ज्यादातर मासिक आधार पर किया जाता है। जिसकी तुलना मासिक बजट से भी की जा सकती है।

इस तरह से प्रबन्धन को आभास हो जाता है कि विशिष्ट व्ययों के लिये अनुमोदित धनराशि जो कि परियोजना में गतिविधियों को पूर्ण करने के लिये आवश्यक है वही तो खत्म नहीं हो रही है।

दोपहर 1:30 पर भोजनावकाश

दोपहर 2:30 परियोजना तर्कसंगत ढाँचा विकसित करना

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण तथा सामुहिक चर्चा

स्पष्ट करें कि परियोजना तर्कसंगत ढाँचा का अर्थ क्या है तथा क्यों इसे विकसित करना परियोजना के लिये महत्वपूर्ण है। निम्नलिखित हेतु लॉग फ्रेम मैट्रिक्स का इस्तेमाल करें।

पहले से तैयार लक्ष्य, उद्देश्य, आउटपुट गतिविधियाँ तथा सूचक का इस्तेमाल करते हुये प्रतिभागियों के साथ सम्भावित परियोजना ढाँचा तैयार करें। मिथ्रुडु के उदाहरण का इस्तेमाल करें।

समयः 75 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को परियोजना तर्कसंगत ढाँचा तथा उसके उपयोग के बारे में समझाना।

सुविधाप्रदानकर्ता नोट्स

परियोजना तर्कसंगत ढाँचा तैयार करते हुये, लॉग फ्रेम में लक्ष्यों का विवरण देते हुये 'भविष्य हेतु सम्पूर्ण' भाषा का प्रयोग करें।

उदाहरण के तौर परः "निर्माण" एक गतिविधि का विवरण देता है परन्तु "निर्माणित" 'भविष्य हेतु सम्पूर्ण' भाषा में लक्ष्य की परिभाषा देता है।

सिंहावलोकन

पहला स्तम्भः सारांश या व्याख्या

लक्ष्य	परियोजना से भी बढ़ा उसका लक्ष्य। दूसरी परियोजना इस लक्ष्य को पूरा करने के लिये सहायता देंगे।
उद्देश्य	परियोजना का क्रियान्वयन कर लक्ष्य को पाना तथा ऐसा लक्ष्य हमेशा पाने की कोशिश करना। जोकि लाभकारी को परियोजना खत्म होने के बाद भी स्थिर लाभ दे।
आऊटपुट	कार्यान्वित गतिविधियों के "सम्भव परिणाम" जिसका जोड़ परियोजना के तात्कालिक लक्ष्य को पूर्ण करेगा।
गतिविधियाँ	परिणाम पाने के लिये ऐसे कार्य को करना आवश्यक है।

दूसरा स्तम्भः सत्यापित सूचक

इस भाग में लक्ष्य, उद्देश्य तथा आऊटपुट को मात्रा, गुणवत्ता तथा समय के सन्दर्भ में परिभाषित करते हैं।

मूल्य एवं संसाधनों के सम्बन्ध में 'इनपुट' गतिविधि स्तर को दूसरें चौथे में दिखाया गया है। आऊटपुट एवं गतिविधियों के सूचक को जब साथ में लें तो यह मूल्य फायदे आंकलन का आधार बनता है।

तीसरा स्तम्भः सत्यापन के तरीके यह बतायें कि कहाँ और किस रूप में लक्ष्य को पूरा करने, उद्देश्य, आऊटपुट तथा

गतिविधियों पर सत्यापित सूचकों के माप के अनुसार सूचना प्राप्त हो सकती है।

चौथा स्तम्भः कल्पित तथ्य यह ऐसे तथ्य हैं जो कि परियोजना की सफलता हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण है।

दोपहर 3:45 परियोजना प्रस्ताव विकसित करना

सुविधाप्रदानकर्ता का प्रस्तुतीकरण तथा सामुहिक चर्चा

प्रतिभागियों को स्पष्ट करें कि परियोजना जो कि आश्रय के लिये प्रयत्नशील हो, सम्भावित दाता के लिये एक परियोजना प्रस्ताव तैयार करना आवश्यक है।

प्रस्ताव में सावधानीपूर्वक तैयार योजना के परिणाम के झलकते हैं तथा यह सम्भावित दाता (तथा साथ ही क्रियान्वयन ऐजेंसी) को नियोजित गतिविधियों, अपेक्षित परिणाम तथा इन गतिविधियों के लागत के लिये विवरण देती है। यह दाम-लाभ आंकलन का एक रूप है।

ऐसा प्रस्ताव न केवल दाता के ढाँचे तथा अर्न्तवस्तुओं मे आवश्यकताओं के आधार पर होना चाहिये परन्तु दाता की आर्थिक आवश्यकताओं के अनुसार दायरे मे होना चाहिये।

इस तथ्य के परियोजना प्रस्ताव के विभिन्न अंश चिन्हित करें तथा उन्हें चार्ट पर सूचीबद्ध करें।

निम्नलिखित सुविधाकर्ता नोट्स का इस्तेमाल करते हुये प्रत्येक अंश को स्पष्ट करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक माँगें।

समयः 30 मिनट

दोपहर 4:15 अल्पावकाश

दोपहर 4:15 परियोजना प्रस्ताव-जारी

सुविधाकर्ता का प्रस्तुतीकरण और सामूहिक चर्चा

सुझाव दें कि कार्यशाला में सभी विभिन्न अंशों पर चर्चा हो चुकी है। प्रतिभागियों से कहें कि यह सूचना पिछले पन्नों में जाँचें जहाँ इसके बिन्दु चिन्हित किये गये हैं।

इसके बाद प्रतिभागियों से प्रत्येक पन्ने की ले-आऊट करने को कहें जोकि परियोजना प्रस्ताव के लिये चिन्हित हुये हैं।

प्रत्येक पन्ने पर परियोजना प्रस्ताव के अनुसार चर्चा करें। रिक्तियों को चिन्हित करें तथा प्रतिभागियों से इन्हें स्पष्ट करने के लिये कहें।

उठाये गये महत्वपूर्ण बिन्दुओं को सूचीबद्ध करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक माँगें।

समयः 60 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को परियोजना प्रस्ताव तैयार करने की क्रिया को समझाना तथा ड्राफ्ट परियोजना तैयार कराना।

सुविधाप्रदानकर्ता नोट्स

कई दाता के, प्रस्ताव एवं अन्तरवस्तुओं तथा फर्मा के लिये अपनी नियमावली हो सकती है। जहाँ ऐसी विशिष्ट नियमावली विद्यमान नहीं है, वहाँ निम्नलिखित का इस्तेमाल किया जा सकता हैः

पहले पृष्ठ में सम्मिलित हैः

- क्रियान्वयन ऐजेंसी
- परियोजना शीर्षक
- परियोजना स्थान
- परियोजना अवधि
- परियोजना लागत
- दाता ऐजेंसी से अपक्षित धनराशि
- जमा करने की तारीख
- सम्पर्क व्यक्ति

परियोजना सारांश

- परियोजना का संक्षिप्त परिचय, यह क्यों आवश्यक है तथा यह क्या पूर्ण करना चाहता है (एक पन्ने से ज्यादा नहीं)।
    - उद्देश्य
    - इनपुट
    - यदि साझेदार संस्था सम्मिलित है।
    - समयावधि
    - शुरू होने की अपेक्षित तिथि

उद्देश्यः

- लक्ष्यों पर विवरण (उद्देश्य)
- लक्ष्य (अपेक्षित आउटपुट)
- अपेक्षित परिणाम

लागत पर सारांश

पृष्ठभूमि

यह परियोजना की पृष्ठभूमि का सारांश है। क्या ऐसे चिन्तनीय मुद्दे थे जिन्होंने परियोजना प्रसंग को जन्म दिया। आंकलन के आंकड़े संक्षिप्त रूप में सम्मिलित करें ।

प्रावैधानिक समीक्षा

यह परियोजना द्वारा सम्बोधित समस्या, अपेक्षित आउटपुट का विस्तृत विवरण देगा तथा चयनित तरीके (समस्या को सम्बोधित करने के लिये दूसरे विकल्प या विद्यमान रणनीति को ध्यान में रखते हुये) की पूर्ण पुष्टि करेगा। परियोजना में स्थानीय स्वामित्व का भी विवरण दें। कर्मचारियों के चुनाव का भी औचित्य सिद्ध करें।

सामाजिक समीक्षा

यह अपेक्षित लाभकारियों की सूचना देगा तथा यह भी बतायेगा कि उनसे किस स्तर तक परामर्श लिया है तथा वह किस स्तर तक परियोजना क्रियान्वयन में सम्मिलित होंगे। साथ ही यह भी संकेत देना चाहिये कि परियोजना किस तरह उनकी जिन्दगी में प्रभावशाली सिद्ध होगी।

शैक्षिक आंकलन

इसमें सम्मिलित एजेंसी/एजेंसियाँ मुद्दों को सुलझाने में उनकी प्रवीणता, उनकी पृष्ठभूमि तथा अनुभव पर विवरण देना चाहिये।

परियोजना क्रियान्वयन

इसमें परियोजना क्रियान्वयन की विभिन्न अवस्थाओं पर विवरण देना चाहिये। इसे तिमाही अथवा सालाना अवस्था में दें। इसमें समय चार्ट भी सलंग्न अभिलेख के रूप में जोड़ा जाना चाहिये।

खतरे तथा धारणायें

संक्षिप्त में विवरण दें कि एजेंसी क्रियान्वयन में क्या खतरे लेगी तथा इसमें क्या धारणायें बनायी गयी हैं।

- अनुश्रवण, आंकलन तथा रिपोर्ट व्यवस्था
- मापनीय सूचक
- सत्यापन के साधन
- आंकलन के तरीके
- रिपोर्ट व्यवस्था तथा अवधि

स्थिरता/निरन्तरता

परियोजना किस तरह वित्तपोषण की अवधि समाप्त होने के बाद खुद को स्थिर करेगी (यदि आवश्यक हुआ तो)।

शाम 5:30 बजे शैक्षिक क्षमता विकसित करना

सामूहिक चर्चा

प्रतिभागियों को स्पष्ट करें कि परियोजना को विकसित करना तथा उसका क्रियान्वयन करने के लिये विभिन्न प्रवीणता की आवश्यकता है। समूह से कहें कि पिछले पाँच दिनों में हुये कार्यों हेतु आवश्यक प्रवीणताओं की सूची तैयार करें और बुलेटिन बिन्दु के रूप में सूचीबद्ध करें। पुनरावलोकन करें तथा प्रतिभागियों से फीडबैक माँगें।

प्रतिभागियों से पूछें
कार्यशाला के समूह मे से किसे यह प्रवीणता है?
यह प्रवीणता कहाँ से सीखी जा सकती है तथा कैसे?
उन्हें सहायता कौन प्रदान कर सकता है?

प्रावैधिक सहायता, शैक्षिक सहायता तथा क्षमता निर्माण की विचारधारा स्पष्ट करें तथा शैक्षिक आवश्यकताओं की सूची तैयार करें। यह सूची तैयार करने के बाद प्रतिभागियों से फीडबैक लें।

समयः 30 मिनट

उद्देश्य

प्रतिभागियों को शैक्षिक प्रवीणता में कमियों को चिन्हित करना तथा इनकी क्षतिपूर्ति किस प्रकार से की जाय यह समझाना और सुनिश्चित करना।

शाम 6:00 बजे भविष्य की डगर तथा समाप्ति

सामूहिक चर्चा

प्रतिभागियों को आगे बढ़ने की क्रिया स्पष्ट करें, जिसमें सम्मिलित हैंः

- समुदाय आधारित संगठन बनाना तथा कानूनी पंजीकरण
- परियोजना प्रस्ताव लिखना
- योग्य स्टॉफ चिन्हित करना
- प्रस्ताव प्रस्तुत करना
- क्रियान्वयन अनुसूची धनराशी मिलने के उपरांत
- प्रवीणता एवं क्षमता निर्माण

इस क्रिया में उन्नति का उत्तरदायित्व LPF का है। योग्य संसाधन व्यक्तियों तथा संस्थाओं से सहायता प्रदान की जा सकती है।

सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद दें।

समयः 15 मिनट

सभी प्रतिभागियों से कहें कि वे खड़े होकर कुछ फैलाव वाले शारीरिक अभ्यास करें।

दिन में कार्यशाला के दौरान सामने आयी परेशानियों के बारे में तथा हम सब के सामने आयी चुनौतियों पर समाप्त होने से पहले कुछ टिप्पणी करें। प्रतिभागियों के बारे में मजाकिया तौर पर कुछ अच्छी (सकारात्मक) टिप्पणी करें तथा आपस में बाँटी हुयी बातों पर कुछ कहें।

प्रतिभागियों को उनके यात्रा भत्ते तथा दूसरी प्रतिपूर्ति दें। फिर उनका नाम पंजीकरण फार्म में अंकित कर दें।

आगे की कार्यवाही

समुदाय आधारित संगठन विकसित करना

यदि यह आंकलन अवधि के दौरान नहीं किया गया है तो LPF को योग्य व्यक्तियों को चिन्हित करना है जो कि ट्रस्टी (यदि ट्रस्ट बनती है) या सोसायटी के सदस्य बन सकें।

सोसायटी अथवा ट्रस्ट का पंजीकरण कराने के लिये कानूनी अभिलेख तैयार करने में सुझाव की आवश्यकता होगी।

प्रस्तावना तैयार करना

कार्यशाला से तथा पर्याप्त प्रावैधानिक सहायता के साथ अन्तिम परियोजना प्रस्ताव तथा बजट बनाना सम्भव है। यह दूसरी कार्यशाला होने के बाद जल्द से जल्द करना चाहिये।

इसे आरम्भ में राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी में उनके पुनरावलोकन तथा टिप्पणी हेतु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी में दिया जाय तथा फिर उनकी आवश्यकताओं के अनुसार संशोधन किया जा सकता है।

स्थान तथा स्टॉफ

आंकलन अवधि के दौरान एक छोटा ड्राप-इन केन्द्र बनाया गया था। इस परियोजना को लागू करने हेतु वांछित उच्चीकरण के रूप में देखना होगा। इसमें विभिन्न सुविधाओं तथा कर्मचारियों के लिये स्थान हेतु पर्याप्त जगह रखना सम्मिलित है। इनकी लागत बजट में बनायी गयी लागतों के अनुसार होनी चाहिये।

योग्य कर्मचारियों को चिन्हित करने की जरूरत है। कार्य-विवरण, ठेका, नौकरी की अवधि एवं शर्तें, परियोजना अनुश्रवण हेतु आवश्यक रिकार्ड, आवश्यक व्यवस्था रीति तथा लाईन व्यवस्था रीतियों का विकास करना होगा। इनके उदाहरण तीसरी पुस्तिका में दिये गये हैं।

परियोजना क्रियान्वयन

एक बार धनराशि सुनिश्चित हो जाय, फिर प्रबन्धक बोर्ड को क्रियान्वयन समय-सारणी (जिसे कार्यशाला में विकसित किया गया हो तथा पुस्तिका तीन में चिन्हित उदाहरण के तौर पर चिन्हित किया गया हो) का अनुसरण निश्चित करना होगा। सभी आवश्यक अभिलेख, कर्मचारी सन्धि, प्रबन्धक व्यवस्था, पर्याप्त स्थान, सामग्री एवं साज-सज्जा का सामान सभी मौजूद हैं। पुस्तिका तीन में चेक-लिस्ट देखें।

प्रावैधिक सहायता तथा आश्रय

यह सुनिश्चित करें कि पर्याप्त प्रावैधिक विशेषज्ञ सुझाव तथा सहायता है ताकि नये समुदाय आधारित संगठन को उसकी परियोजना हेतु सहायता उपलब्ध रखें। राज्य एड्स नियन्त्रण सोसायटी प्रतिनिधि से चर्चा करें कि ऐसा कौन है जो कि परियोजना पर कोई लागत आये बिना सहायता प्रदान कर सके।

परिवर्णी शब्द

AIDS	उपार्जित प्रतिरक्षक अभाव संलक्षण
ARV	प्रतिपश्च वायरस
BCC	आचरण परिवर्तन संप्रेक्षण
IDU	स्वापक प्रयोक्ता को सूई लगाना
GO	सरकारी संगठन
GPM	पुरूषों की सामान्य जनसंख्या
HIV	मानव प्रतिरक्षक अभाव वायरस
MMS	पुरूष-पुरूष मैथुन (सेक्स)
MSM	पुरूषों के साथ सेक्स करने वाले पुरूष
MSW	पुरूष यौन कर्मी
NGO	गैर-सरकारी संगठन
NFI	नाज़ फाउन्डेशन इन्टरनेशनल
STI	यौन संक्रमण
UNAIDS	एड्स पर संयुक्त राष्ट्र का साझा कार्यक्रम
WHO	विश्व स्वास्थ्य संगठन

आभार/स्रोत

इस दस्तावेज में इस्तेमाल किये गये निम्न स्रोतों के प्रति के प्रति हम अपना आभार व्यक्त करते हैं

- द वर्कर्स हैंडबुकः द सेक्स वर्कर्स आउटरीच प्रॉजेक्ट-आस्ट्रेलिया, 1992
- द अनूसेंसर्ड गाइड टू सेक्सुअल हेल्थ, हेलेन नॉक्स, नॉक्स पब्लिशिंग, यू.के., 1995
- मेकिंग सेक्स वर्क सेफ़, नेटवर्क ऑन सेक्स वर्क प्रॉजेक्ट, यू.के., 1997
- ए बी सी ऑव सेक्सुअली ट्रांस्मिटेड डिज़ीज़ेज़, सम्पादनः माइकेल एडलर, बी एम जे, यू.के., 1987
- ए बी सी ऑव एड्स, माइकेल एडलर (स०); बी.एम.जे., 1997
- वर्किंग विद् अनसर्टेनिटी, हिलेरी डिक्सन और पीटर गॉर्डन, एफ पी ए एज्युकेशन यूनिट, यू.के., 1987
- वेसेक्स गे मेन्स हेल्थ फोरम, यू.के. फार STD टैक्स्ट
- STD/AIDS पीअर एज्यूकेटर ट्रेनिंग मैनुअल, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम, तन्जानियाँ, 1992
- UNDP: HIV/AIDS प्रोजेक्ट प्लैनिंग मैनुअल
- DFID, यू.के., प्रोजेक्ट लॉजिकल फ्रेमवर्क
- UNAIDS: प्लैनिंग एण्ड इम्प्लीमेंटेशन ऑन टारगेटेड इन्टरवेंशन्स-पार्टिसिपेंन्ट्स गाइड (ड्राफ्ट)

इस संसाधन के विकास और प्रस्तुति के लिए हम UNAIDS और पार्टनरशिप यूनिट से सम्बद्ध कैल एलमेडल के अपार सहयोग के लिये शुक्रगुजार हैं।